हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 187, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 जनवरी, 2024 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

सुरक्षित और संप्रभु राष्ट्र के लिए सेना जरूरी : योगी आदित्यनाथ

सेना दिवस : मुख्यमंत्री ने सेना के हथियारों की देखी प्रदर्शनी

लखनऊ। सेना दिवस के उपलक्ष्य में छावनी स्थिति सूर्य खेल परिसर में नो योर आर्मी मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुब्बारे छुड़ाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय सेना 140 करोड़ लोगों के शौर्य का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सेना दिवस के आयोजन के लिए लखनऊ को चुना गया है इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना का आभार। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि समारोह में आनंद की अनुभूति हो रही है।

उत्तर प्रदेश के युवाओं को नजदीक से भारतीय सेना को जानने, शौर्य और पराक्रम को समझने का अवसर प्राप्त होगा। गतका दल की प्रस्तुति पर सीएम ने कहा कि भारत की प्राचीन युद्ध कला से कैसे उस कालखंड में युवाओं को पारंगत कर आक्रांताओं का जवाब देने के लिए तैयार किया जाता था। यह जानना चाहिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने सेना के हथियारों की प्रदर्शनी देखी और टैंक के ऊपर भी चढ़े। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश वीरों की भूमि है। जांबाजों ने अपना बलिदान दिया और गौरव भी बढ़ाया है। देश की सीमाओं की रक्षा करने में अपनी आहुति देने वाले बलिदानियों के परिजनों को 50 लाख रुपये और नौकरी सरकार दे रही है। सेना के हथियारों में आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सकें इसके लिए भी प्रयास हो रहे हैं। वर्ष 2018 में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में प्रधानमंत्री ने दो डिफेंस कॉरिडोर दिए एक तमिलनाडु में और एक उत्तर प्रदेश में। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल, झांसी में डिफेंस कॉरिडोर के तहत भारत डायनामिक काम कर रहा है। कानपुर और अलीगढ़ में भी काम हो रहा है।

दुनिया के तमाम देशों को भी आपूर्ति कर रहे हैं। सशक्त सेना ही एक सुरक्षित और संप्रभु राष्ट्र का सपना साकार कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि देश को पहला सैनिक स्कूल यूपी ने 1960 में दिया था। पांचवे नए सैनिक स्कूल को गोरखपुर में बना रहे हैं। उत्तर प्रदेश ने 16 सैनिक स्कूल का प्रस्ताव दिया गय है। जबकि देश में कुल 100 स्कूल बनेंगे। बालिकाओं के लिए वृन्दावन में सैनिक स्कूल बनाया गया है। यह अपनी तरह का पहला स्कूल है। 21 वीं सदी की चुनौतियों के अनुरूप राजकीय रक्षा विश्वविद्यालय का परिसर लखनऊ में शकुंतला देवी विवि में चल रहा है।

शोपियां में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में लश्कर का एक आतंकवादी मारा गया

जम्मू कश्मीर। पिछले दिनों पूरे देश ने देखा कि किस तरह से रजौरी-पुंछ में घात लगा कर किए गये आतंकवादी हमले में भारतीय सेना के पांच जवान शहीद हो गये थे। पूरे देश में इस घटना के बाद आक्रोश हैं। आतंकी गतिविधियां जम्मू-कश्मीर में बढ़ती जा रही हैं। सेना कई ऑपरेशन चला रही हैं और आतंकियों को मार रही हैं। ताजा जानकारी के अनुसार शोपियां जिले में जारी मुठभेड़ के बीच शुक्रवार को सुरक्षा बलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े एक आतंकवादी को मार गिराया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बिलाल भट के रूप में हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, चोटिगाम इलाके में मुठभेड़ जारी है और पुलिस, सेना के साथ-साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान मौके पर हैं। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "शोपियां जिले के चोटीगाम इलाके में मुठभेड़ शुरू हो गई है। शोपियां पुलिस सेना और सीआरपीएफ काम पर हैं। आगे की जानकारी दी जाएगी।" जानकारी के मुताबिक, कुछ आतंकी अभी भी फंसे हुए हैं और सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

सर्दी से कांप रहा उत्तर प्रदेश कोल्ड डे की चेतावनी जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शीत लहर की चपेट में है। हाड़ कंपा देने वाली ठंड से लोग ही नहीं बेजुबान भी परेशान हैं। मौसम विभाग ने शुक्रवार को कोल्ड डे की चेतावनी जारी की है। इससे दिन में भी लोगों को भारी गलन महसूस होगी। वहीं, प्रदेश भर में घने कोहरे का दौर बरकरार है। इससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ट्रेनें कई-कई घंटे की देर सी गंतव्य तक पहुंच रही हैं। उड़ानें भी कोहरे की जद में हैं। इससे जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वहीं भूमध्य सागर से एक पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इसका असर दो-तीन दिन में देखने को मिलेगा। इससे भी बादल बढ़ेंगे। पारा के शून्य स्तर पर पहुंचने के अभी आसार नहीं हैं।

पहाड़ी हवा से ठिठुर रहे प्रदेश के लोग- आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, गुरुवार को गोरखपुर व वाराणसी में कोहरे के चलते दृश्यता शून्य तक पहुंच गई थी। लखनऊ, कुशीनगर, बरेली, शाहजहांपुर में यह 50 मीटर तक गिरी। उरई, फुर्सतगंज, झांसी, बाराबंकी, प्रयागराज, आगरा, बांदा बहराइच और चुर्क में भी घना कोहरा रहा।

प्रदेश के टॉप पांच सबसे कम तापमान वाले शहर- आईएमडी की वेबसाइट के द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार को प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले का तापमान सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियम दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 16 डिग्री रहेगा। इसी तरह दूसरे पायदान पर मुरादाबाद है, यहां न्यूनतम तापमान 6 डिग्री सेल्सियस और तीसरे स्थान पर बिजनौर और चाथे पर बागपत और मेरठ रहे।

शुक्रवार को इन शहरों के लिए कोल्ड डे की चेतावनी- आगरा, अलीगढ़, फिरोजाबाद, हाथरस, मथुरा, औरैया, बागपत, बुलंदशहर, एटा, इटावा, फरुर्खाबाद, गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, जालौन, झांसी, कन्नौज, कानपुर, कासगंज, मैनपुरी, मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर व शामली।

यहां घने कोहरा की चेतावनी- लखनऊ, बहराइच, बलरामपुर, बरेली, बस्ती, देवरिया, गोंडा, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज, पीलीभीत, रामपुर, संत कबीरनगर, शाहजहांपुर, सीतापुर, श्रावस्ती, अंबेडकरनगर, अमेठी, अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, बदायूं, बलिया, बिजनौर, एटा, फरुखाबाद, फिरोजाबाद, गाजीपुर, हरदोई, कन्नौज, कासगंज, मैनपुरी, मऊ, मुरादाबाद, प्रतापगढ़, रायबरेली, संभल, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी।

इन इलाकों में गरज-चमक के आसार- वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, भदोही, मिजार्पुर, जौनपुर, गाजीपुर व आसपास गरज-चमक के आसार बन सकते हैं।

गोरखपुर के ही अधिकारी ने किया माफिया विनोद उपाध्याय का एनकाउंटर

गोरखपुर। माफिया विनोद उपाध्याय का एनकाउंटर यूपी एसटीएफ की टीम ने गुरुवार रात को कर दिया। सुबह घायल अवस्था में उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां टीम ने मृत बता दिया। विनोद उपाध्याय एक लाख रुपये का इनामी था। विभिन्न जिलों में कुल 35 मुकदमे दर्ज थे। गोरखपुर के मूल निवासी और एसटीएफ डीएसपी दीपक सिंह की टीम के साथ ये मुठभेड़ सुल्तानपुर में हुई थी।

बताया जा रहा कि भागते वक्त उसके पास एक पिस्टल और स्टेनगन भी थी, जिससे वो हमलाकर भागने की फिराक में था। इसी दौरान एसटीएफ की गोली से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि बृहस्पतिवार की रात सुल्तानपुर में एसटीफ और माफिया के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें पुलिस की जवाबी कार्रवाई में माफिया ढेर हो गया। पुलिस को उसकी जमीन कब्जाने, हत्या और हत्या के प्रयास समेत कई मामलों में तलाश थी। दरअसल, 2004 में गोरखपुर जेल में बंद रहने के दौरान नेपाल के अपराधी जीत नारायण मिश्र ने विनोद को एक थप्पड़ मारा था। जिसके बाद 7 अगस्त 2005 को संतकबीरनगर में विनोद ने जीत नारायण की हत्या कर थप्पड़ का बदला लिया था। इस घटनाक्रम में जीत नारायण और उसका बहनोई गोरेलाल भी मारा गया था। साल 2007 की बात है। करवा चौथ त्योहार के दिन एक टेंडर को लेकर पीडब्ल्यूडी पर माफिया विनोद उपाध्याय और अजीत शाही के बीच विवाद हो गया। विवाद गैंगवार में बदल गया। दूसरी तरफ से तब विनोद उपाध्याय गैंग पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी।

सोमालिया के तट से जहाज हाइजैक, क्रू में 15 भारतीय शामिल, नौसेना ने भेजा अपना युद्धक जहाज

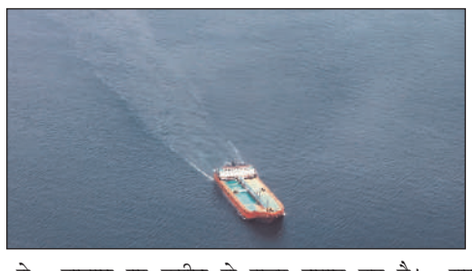

नई दिल्ली। सोमालिया के तट से एक जहाज को हाइजैक कर लिया गया है। हाइजैक किए गए जहाज के क्रू सदस्यों में 15 भारतीय नागरिक शामिल हैं। भारतीय नौसेना स्थिति पर नजर रखे हुए है। खबर के अनुसार, हाइजैक किया गए जहाज का नाम एमवी लीला नॉरफोल्क है और इस पर लाइबेरिया का झंडा लगा है। नौसेना ने अगवा जहाज की निगरानी के लिए अपने एयरक्राफ्ट तैनात कर दिए हैं। अगवा जहाज के क्रू से कम्युनिकेशन भी स्थापित कर लिया गया है। भारतीय नौसेना ने बयान जारी कर बताया कि घटना गुरुवार शाम की है, जब लाइबेरिया का झंडा लगा जहाज अरब सागर से गुजर रहा था। जहाज ने UKMTO पोर्टल पर एक संदेश भेजा कि करीब 5-6 हथियारबंद अज्ञात लोग जहाज पर चढ़ गए हैं और जहाज को अगवा करने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना मिलते ही भारतीय नौसेना ने अपने युद्धक जहाज आईएनएस चेन्नई को रवाना किया। आईएनएस चेन्नई मेरीटाइम सिक्योरिटी के लिए ही अरब सागर में तैनात है। साथ ही शुक्रवार सुबह नौसेना के एयरक्राफ्ट्स ने भी अगवा जहाज के ऊपर से उड़ान भरी। नौसेना ने जहाज से संपर्क साधा और क्रू सदस्यों के सुरक्षा का हाल जाना। नौसेना क्षेत्र में मौजूद अन्य सहयोगी देशों और एजेंसियों के साथ हालात पर करीब से नजर बनाए हुए है। उल्लेखनीय है कि सोमालिया हॉर्न ऑफ अफ्रीका पर स्थित है, जिसके एक तरफ भारतीय महासागर और दूसरी तरफ अदन की खाड़ी है। अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट भी सोमालिया के नजदीक से गुजरता है। यही वजह है कि सोमालिया के नजदीक समुद्री लुटेरों का खतरा रहता है। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं हुआ है कि इस जहाज को समुद्री लुटेरों ने कब्जाया है या फिर किसी अन्य संगठन ने। गौरतलब है कि इस्त्राइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से लाल सागर और अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट पर हमले शुरू हो गए हैं।

हूती विद्रोही बना रहे व्यापारिक जहाजों को निशाना- खासकर लाल सागर में ईरान समर्थित हूती विद्रोही लगातार व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। बीते करीब एक महीने में हूती विद्रोही करीब 25 बार व्यापारिक जहाजों पर हमले कर चुके हैं। दरअसल फलस्तीन के समर्थन में हूती विद्रोही इन हमलों को अंजाम दे रहे हैं। साथ ही समुद्री लुटेरों का खतरा बना ही हुआ है। बीते दिनों भी अरब सागर में एक व्यापारिक जहाज को अगवा किया गया था। इसके बाद अमेरिका, भारत समेत कई देशों की नौसेनाएं अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट की सुरक्षा कर रही हैं। भारतीय नौसेना ने अरब सागर और लाल सागर में अपने पांच युद्धक जहाज भी तैनात कर दिए हैं।

22 जनवरी तक परिवहन निगम की बसों में बजेंगे राम भजन, दिए गए निर्देश, राममय होगा माहौल

अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरे प्रदेश में एक अलग तरह का माहौल है। गांवों और शहरों में शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। भजन-कीर्तन हो रहे हैं। इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर परिवहन विभाग ने 22 जनवरी को होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत 22 जनवरी तक सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। सभी यात्री वाहनों में व बस स्टेशनों पर साफ-सफाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश हैं। ताकि यात्रियों का सफर राममय हो सके। भगवान राम से जुड़े भजनों में विभिन्न कलाकारों के प्रसिद्ध भजनों को शामिल किया जाएगा। इसके अलावा स्थानीय गायकों के राम भजनों को भी इसमें स्थान मिल सकता है। कार्ययोजना के अनुसार, टैक्सी व सभी टूरिस्ट बस वाहन स्वामियों के साथ बैठक कर आवश्यकतानुसार आरक्षित रखने के लिए भी कहा गया है। इसमें सुरक्षित वाहन चलाना व यातायात नियमों का पालन कराया जाना, चालकों का टूरिस्ट के प्रति व्यवहार, चालकों द्वारा अनिवार्य रूप से वर्दी धारण किया जाना, किसी प्रकार का नशा व पान-गुटखा के सेवन से दूर रहना, निर्धारित किराया से अधिक

किराया किसी भी दशा में न वसूल किया जाए जैसे बिंदु शामिल हैं। लखनऊ से अयोध्या, गोरखपुर से अयोध्या व सुल्तानपुर से अयोध्या के बीच पड़ने वाले समस्त टोल प्लाजा पर टूरिस्ट की सहायता के लिए परिवहन विभाग का हेल्पडेस्क स्थापित किया जाएगा। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत राष्ट्रीय राजमार्गों व राज्य राजमार्गों पर एनएचएआई व पीडब्ल्यूडी के द्वारा एंबुलेंस, पेट्रोलिंग व क्रेन वाहनों की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी।

इसरो को बड़ी सफलता, फ्यूल सेल तकनीक का किया सफल परीक्षण

बेंगलूरू। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को बड़ी सफलता मिली है। दरअसल इसरो ने शुक्रवार को फ्यूल सेल तकनीक (ईंधन सेल प्रौद्योगिकी) का सफल परीक्षण किया। इसरो के भविष्य के मिशन और डाटा इकट्ठा करने के लिहाज से

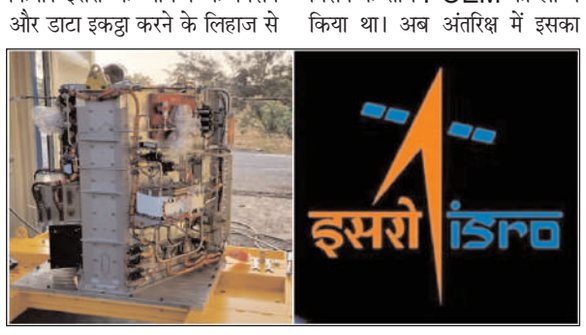

यह फ्यूल सेल तकनीक बेहद अहम है। इस तकनीक की मदद से ईंधन रिचार्ज किया जा सकता है और इससे कोई उत्सर्जन भी नहीं होता। अंतरिक्ष में ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और पीने के पानी के लिए यह तकनीक सबसे आदर्श है। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्रवार को अंतरिक्ष में 100 वॉट श्रेणी के पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेंब्रेन फ्यूल सेल पर आधारित पावर सिस्टम का सफल परीक्षण किया। इसरो ने बीती 1 जनवरी को पीएसएलवी-सी58 मिशन के साथ POEM को लॉन्च किया था। अब अंतरिक्ष में इसका परीक्षण किया गया, जो सफल रहा। इस परीक्षण के दौरान हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस की मदद से हाई प्रेशर वेसल में 180 वॉट ऊर्जा उत्पन्न की गई। इसरो ने बताया कि फ्यूल सेल तकनीक की मदद से हाइड्रोजन और ऑक्सीजन गैस से ऊर्जा उत्पन्न की गई। साथ ही इससे पीने का पानी मिला और कोई उत्सर्जन भी नहीं हुआ। इस परीक्षण का उद्देश्य अंतरिक्ष में तकनीक का परीक्षण करना, डाटा इकट्ठा करना और इस डाटा की मदद से भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के डिजाइन में फ्यूल सेल तकनीक को लेकर जरूरी बदलाव करना है। फ्यूल सेल तकनीक एक इलेक्ट्रिक जेनरेटर है, जो इलेक्ट्रोकेमिकल सिद्धांत पर काम करता है। खासकर गगनयान मिशन में जब भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में रहकर कई दिनों तक परीक्षण करेंगे तो उस स्थिति में फ्यूल सेल तकनीक की मदद से ही इलेक्ट्रिक पावर, पीने का पानी और ऊर्जा पैदा की जाएगी। फ्यूल सेल तकनीक के फायदों के देखते हुए ही अब वाहनों में भी बैट्रीज की जगह इसी तकनीक का इस्तेमाल करने पर विचार किया जा रहा है। इससे ना सिर्फ पारंपरिक इंजनों को जल्द रिचार्ज किया जा सकेगा, साथ ही इससे वाहनों से होने वाले उत्सर्जन पर भी बहुत हद तक काबू पाया जा सकेगा।

11 जिलों के कप्तान सहित 18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला

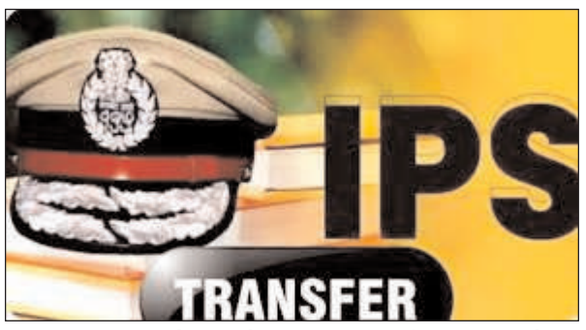

प्रखर लखनऊ/डेस्क। योगी सरकार ने गुरुवार देर रात बड़ी संख्या में आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए. 11 जिलों के कप्तान सहित 18 अफसरों का ट्रांसफर किया गया है. नए पुलिस कमिश्नर के साथ ही कानपुर रेंज के आईजी को भी बदला गया है. आदेश के मुताबिक प्रशांत कुमार द्वितीय को आईजी ईओडब्लू बनाया गया है, जबकि जोगेंद्र कुमार आईजी कानपुर रेंज तो अखिलेश चौरसिया को डीआईजी एंटी करप्शन बनाया गया है. कलनिधि नैथानी को डीआईजी झांसी रेंज नियुक्त किया गया है. वहीं एस आनंद डीआईजी एसटीएफ तो डॉ ओम प्रकाश सिंह डीआईजी वाराणसी रेंज बने हैं। इसके अलावा देवरंजन वर्मा एसपी बलिया, अभिषेक सिंह एसपी मुजफ्फरनगर, संजीव सुमन एसएसपी अलीगढ़, वृंदा शुक्ला एसपी बहराइच, प्रशांत वर्मा एसपी रेलवे लखनऊ, अपर्णा रजत कौशिक एसपी कासगंज, अभिषेक अग्रवाल एसपी रायबरेली, प्राची सिंह एसपी सिद्धार्थ नगर, सौरभ दीक्षित एसपी फिरोजाबाद, आलोक प्रियदर्शी एसपी बदायूं, अरुण कुमार सिंह एसपी चित्रकूट और घनश्याम को एसपी श्रावस्ती की जिम्मेदारी दी गई है।

नेपाल की मदद के लिए भारत ने फिर बढ़ाए हाथ, भूकंप प्रभावित क्षेत्रों के लिए 7.5 करोड़ डॉलर देने का वादा

काठमांडू। नेपाल में पिछले साल आए भूकंप के बाद लोगों को अपने घरों के पुनर्निर्माण और जिंदगी को पटरी पर लाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अब अपने पड़ोसी देश की मदद को भारत ने एक बार फिर जिम्मा उठा लिया है। विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने शुक्रवार को एलान किया कि भारत मदद जारी रखेगा और भूकंप से प्रभावित नेपाल के पश्चिमी जिले में बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 7.5 करोड़ डॉलर देगा।

इस साल की पहली विदेश यात्रा पर जयशंकर- बता दें, जयशंकर इस साल की पहली विदेश यात्रा पर गुरुवार को नेपाल पहुंचे हैं। उन्होंने अपने नेपाली समकक्ष एनपी सउद के साथ साल 2015 में आए भूकंप के बाद काठमांडू में त्रिभुवन विश्वविद्यालय केंद्रीय पुस्तकालय और अन्य पुनर्निर्माण परियोजनाओं का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया।

भूकंप के कारण हुई मौतों को जानकर दुखी- विदेश मंत्री ने कहा कि भारत पिछले साल नवंबर में नेपाल के पश्चिमी हिस्सों में आए भूकंप के कारण हुई मौतों और तबाही के बारे में जानकर दुखी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नेपाल के लोगों और नेतृत्व के प्रति एकजुटता व्यक्त की है और हर संभव सहायता देने की प्रतिबद्धता जताई है।

हम नेपाल के लोगों के साथ- उन्होंने कहा, 'हम नेपाल के लोगों के साथ खड़े हैं और हमेशा खड़े रहेंगे। इसलिए हमने कल प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड को बताया कि हम प्रभावित जिलों में बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए 1,000 करोड़ नेपाली रुपये यानी 7.5 करोड़ डॉलर देंगे।'

संपादकीय

साइबर अपराधों का वार

ऑन लाइन सेवाओं के विस्तार ने हमारे जीवन को जितना सुगम व सरल बनाया है, उतना ही खतरा साइबर अपराधों का भी बढ़ा है। दरअसल, देश में साइबर अपराधों पर शिकंजा कसने में देरी और लोगों में जागरूकता की कमी से भी अपराधी अपने मंसूबों में कामयाब हो जाते हैं। यह खबर परेशान करने वाली है कि देश में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ व हरियाणा में साइबर अपराध की दर सबसे ज्यादा है। बल्कि हरियाणा में मेवात साइबर अपराधों के जरिये वसूली का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। यह स्थिति कितनी चिंताजनक है कि पिछले तीन साल में वित्तीय धोखाधड़ी में दस हजार तीन सौ नब्बे करोड़ रुपये का चूना लोगों को लगा। कमोबेश साइबर अपराधियों के सुनियोजित गिरोहों द्वारा लोगों के विश्वास के साथ छल करके खून-पसीने की कमाई पर हाथ साफ किया जा रहा है। लोग शातिर अपराधियों के भ्रमजाल में फंस जाते है और उसकी बड़ी कीमत चुकाते हैं। यह समस्या कितना जटिल रूप ले चुकी है कि देश में एक लाख की आबादी पर 129 साइबर अपराध दर्ज किए गए हैं। लेकिन इसकी संख्या राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में प्रति लाख आबादी पर 755, चंडीगढ़ में 432 तथा हरियाणा में 381 है। इन स्थानों पर ज्यादा साइबर क्राइम होने की एक वजह यह भी है कि ऑनलाइन विकल्पों के प्रति जागरूकता के चलते अधिक लोग इन सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। वैसे साइबर क्राइम की छद्म प्रवृत्ति से अनभिज्ञ लोग भी जल्दी अपराधियों के झांसे में फंस जाते हैं। हालांकि, देश की केंद्रीय एजेंसियां लगातार अपराधियों पर नजर रखे हुए हैं और निरंतर इनके खिलाफ अभियान चलाती रहती हैं। मेवात सहित कई राज्यों में साइबर क्राइम के खिलाफ बड़े अभियान चलाए गए हैं। राष्ट्रीय एजेंसियों ने 2.9 लाख फर्जी सिम, 2810 गलत मंशा से चलाए जा रहे यूआरएल और 595 मोबाइल ऐप्स ब्लॉक किए हैं। लेकिन इसके बावजूद कहना कठिन है कि साइबर क्राइम इन कार्रवाइयों से कम हुए हैं। दरअसल, साइबर अपराधी पुलिस व जांच एजेंसियों की सक्रियता के बावजूद अपनी गतिविधियों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। साइबर अपराधों का दायरा इतना विस्तृत व जटिल है कि पुलिस भी उन पर आसानी से हाथ नहीं डाल सकती। असल में, अपराध की दुनिया में साइबर अपराध की शुरूआत एक नया खतरा है, जिसके लिए हम अपनी पुलिस को पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं कर पाए हैं। साथ ही नागरिकों को भी इस भ्रमजाल से बचने के लिये पर्याप्त रूप से जागरूक करने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अपराध का स्वरूप देखें तो वर्ष 2023 में सभी साइबर अपराधों में 38 फीसदी धोखाधड़ी निवेश से संबंधित थी। इसके बाद ग्राहक सेवा या रिफंड लौटाने के नाम पर जरूरी जानकारी लेकर फ्राड करने अथवा केवाईसी समाप्ति संबंधी झूठी सूचना देकर ठगने के मामले प्रकाश में आए। इतना ही नहीं सेक्सटॉर्शन के जरिये भी धन वसूली के बहुत मामले प्रकाश में आए। इसमें वीडियो कॉल के जरिये लोगों के चित्र को अश्लील दृश्यों से जोड़कर बदनाम करने की धमकी देकर धन वसूला जाता है। यही वजह है कि साइबर विशेषज्ञ सलाह दे रहे हैं कि अनजान वीडियो कॉल का जवाब न दें। यदि वे कॉल लेते हैं तो सेक्सटॉर्शन के शिकार बन सकते हैं। दरअसल, साइबर विशेषज्ञ बैंकों के साथ काम करके उस गिरोहबंदी को रोकने पर काम कर रहे हैं जिसमें एक खाते से धन हस्तांतरित करके आगे अन्य खातों में भेज दिया जाता है और दूसरे के नाम से निकाल लिया जाता है। देश में साइबर अपराधों का वर्ष 2022 से 2023 में 61 फीसदी की दर से बढ़ना गंभीर चेतावनी है। यह बदलाव है कि इससे पहले वर्ष में यह वृद्धि एक सौ तेरह प्रतिशत थी। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2019 में राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल लॉन्च होने के बाद लोगों को राहत मिली है। जिसके चलते साइबर अपराधों में 4.3 लाख नागरिकों के हुए नुकसान में से एक हजार एक सौ सत्ताईस करोड़ रुपये की वसूली की जा सकी है। लोगों को ऐप की अनुमति देते वक्त सावधान रहने की बात कही गई है।

बाकी मुद्दे गौड़ हुए!

जाति जाति चिल्ला कर ।
कर रहे सब काम ।।
बाकी मुद्दे गौड़ हुए ।
अब असली पैगाम ।।
गली अगर ना दाल तो ।
है पुनः विश्राम ।।
कर सब कुछ प्रयोग ।
हैं रहे नाकाम ।।
करने को सब सार्वजनिक ।
मन इनका ललचाया ।।
है फि लहाल महफि ल ।
सत्ता की सब माया ।।
होगा कितना कारगर ?
पकड़ा जो हथियार ।।
लगता विध्न आनी हैं ।
अड़चनें हजार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भगवान श्रीराम के प्रकृति प्रेम में ही धरती की सुरक्षा निहित है

ललित गर्ग

अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को करेंगे, निश्चित ही श्रीराम के इस पांच सौ वर्ष के टेंटवास के वनवास से स्व-मन्दिर में स्थापित होने की घटना वास्तविक दीपावली एवं खुशी का अवसर है, जिससे भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति को श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा, स्वयं को श्रीराममय एवं प्रकृतिमय बनाना होगा। श्रीराम के चौदह वर्ष के वनवास से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। जन्म, बचपन, शासन एवं मृत्यु तक उनका सम्पूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओतप्रोत है। आज देश एवं दुनिया में पर्यावरण प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्याएं हैं जिनका समाधान श्रीराम के प्रकृति प्रेम एवं पर्यावरण संरक्षण की शिक्षाओं से मिलता है।

भारतीय संस्कृति में हरे-भरे पेड़, पवित्र नदियां, पहाड़, झरनों, पशु-पक्षियों की रक्षा करने का संदेश हमें विरासत में मिला है। स्वयं भगवान श्रीराम व माता सीता 14 वर्षों तक वन में रहकर प्रकृति को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। ऋषि-मुनियों के हवन-यज्ञ के जरिए निकलने वाले ऑक्सीजन को अवरोध पहुंचाने वाले दैत्यों का वध करके प्रकृति की रक्षा की। जब श्रीराम ने हमें प्रकृति के साथ जुड़कर रहने का संदेश दिया है तो हम वर्तमान में क्यों प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने में लगे हैं। हमारा कर्तव्य है कि हम प्रकृति की रक्षा करें। गोस्वामी तुलसीदास ने 550 साल पहले रामचरित मानस की रचना करके श्रीराम के चरित्र से दुनिया को श्रेष्ठ पुत्र, श्रेष्ठ पति, श्रेष्ठ राजा, श्रेष्ठ भाई, प्रकृति प्रेम और मर्यादा का पालन करने का संदेश दिया है। रामचरित मानस एक दर्पण है जिसमें व्यक्ति अपने आपको देखकर अपना वर्तमान सुधार सकता है एवं पर्यावरण की विकराल होती समस्या का समाधान पा सकता है।

भारतीय समाज का तानाबाना दो महाकाव्यों रामायण एवं महाभारत के इर्द-गिर्द बुना गया है। इनमें जीवन के साथ मृत्यु को भी अमृतमय बनाने का मार्ग दिखाया गया है। इनमें सशरीर मोक्ष मार्ग के अद्भुत एवं विलक्षण उदाहरण हैं। रामायण में प्रभु श्रीराम चलते हुए सरयू नदी में समा जाते हैं और महाभारत में युधिष्ठिर हिमालय को लांघकर मोक्ष को प्राप्त होते हैं। इन दोनों ही घटनाओं में महामानवों ने मृत्यु का माध्यम भी प्रकृति यानी नदी एवं पहाड़ को बनाकर जन-जन को प्रकृति-प्रेम की प्रेरणा दी है। लेकिन हम देख रहे हैं कि आज हमने मोक्षदायी नदी और पहाड़ों की ऐसी स्थिति कर दी है कि वहां मोक्ष तो क्या जीवन जीना भी कठिन हो गया है। क्या हम नदियों एवं पहाड़ों को मोक्षदायी का सम्मान पुनः प्रदान कर पाएंगे। यह हमारे जमाने का यक्षप्रश्न है जिसका उत्तर देने श्रीराम और युधिष्ठिर नहीं आएंगे, लेकिन हमें ही श्रीराम एवं

युधिष्ठिर बन कर प्रकृति एवं पर्यावरण के आधार नदियों एवं पहाड़ों के साथी बनना होगा, उनका संरक्षण एवं सम्मान करना होगा। आज संपूर्ण विश्व में नदियों, पहाड़ों, प्रकृति के प्रदूषण को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है, लेकिन हजारों साल पहले भगवान श्रीराम ने प्रकृति के बीच रहकर प्रकृति को बचाने के लिए प्रेरित किया। भगवान श्रीराम वनवास काल में जिस पर्ण कुटीर में निवास करते थे वहां पांच वृक्ष पीपल, काकर, जामुन, आम व वट वृक्ष था जिसके नीचे बैठकर श्रीराम-सीता भक्ति आराधना करते थे। अनेक स्थानों पर तुलसीदासजी एवं वाल्मीकिजी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता को रेखांकित किया है। रामराज्य पर्यावरण की दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न एवं स्वर्णिम काल था। मजबूत जड़ों वाले फल तथा फूलों से लदे वृक्ष पूरे क्षेत्र में फैले हुये थे। श्रीराम के राज्य में वृक्षों की जड़ें सदा मजबूत रहती थीं। वे वृक्ष सदा फूलों और फलों से लदे रहते थे। मेघ प्रजा की इच्छा और आवश्यकता के अनुसार ही वर्षा करते थे। वायु मन्द गति से चलती थी, जिससे उसका स्पर्श सुखद जान पड़ता था। इसलिए जो कुछ हम सब रामायण से समझ पाते हैं, वह ही मनुष्य के जीवन जीने की सनातन परंपरा है। वही परंपरा ही हम सबको यह बताती है कि प्रकृति रामराज्य का आधार है। हम श्रीराम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, प्रकृति-प्रेम को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, सर्वोत्तम चेतना के शिखर हैं, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। प्रभु श्रीराम ने तो प्रकृति के संतुलन के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। प्रकृति के कण-कण की रक्षा के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मयार्दा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और प्रकृति एवं पर्यावरण के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। प्रकृति को बचाने के लिये संयमित रहना और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते। प्रकृति, पर्यावरण और प्रगति के मध्य अन्तः सम्बन्ध है जिनके प्रति मानवीय दृष्टिकोण सांस्कृतिक विरासत एवं श्रीराम के जीवन से निर्मित एवं विकसित होता है और इस संदर्भ में भारतीय हिन्दू संस्कृति की वैश्विक भूमिका प्राचीनकाल से ही मानी गयी है। वाल्मीकि रचित रामायण से लेकर तुलसीदास रचित रामचरित मानस में प्रकृति चित्रण, पर्यावरण संचेतना, पर्यावरण संरक्षण का विस्तृत उल्लेख किया गया है। वास्तव में हिन्दू धर्म एक विशिष्ट पूजा पद्धति, आस्था तक ही सीमित नहीं है वरन जैसा कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी हिन्दू धर्म को परिभाषित करते हुए कहा है कि हिन्दूधर्म एक जीवनशैली है। हिन्दू धर्म की इस जीवनशैली में धर्म तथा पर्यावरण में सह-सम्बन्ध माना गया है। जिसके अन्तर्गत पर्यावरण प्रकृति के साथ मानव द्वारा उचित, संवेगात्मक, संवेदनात्मक एवं सामन्जस्यपूर्ण सम्बन्ध निभाना ही उसका धर्म है। पृथ्वी को धरती माता के रूप में पूजित माना गया तथा सूर्य, जल, वायु, वृक्ष, अग्नि सभी को देवता मानकर पूजनीय माना गया। केवल यही नहीं विभिन्न देवी-देवताओं के वाहक के रूप में विभिन्न पशु-पक्षियों की भी आराधना की पद्धति विकसित की गयी। जल, वायु को दूषित करना, वृक्षों का अनावश्यक रूप से काटने को पाप माना जाता था क्योंकि उस समय ऋषि, मुनियों को पर्यावरण के इन महत्त्वपूर्ण घटकों के महत्त्व का ज्ञान था। तत्कालीन भारतीय सामाजिक जीवन में पर्यावरणीय तत्त्वों के साथ सामंजस्य की भावना धर्म से जुड़ी हुई थी।

घर घर बांटा गया अक्षत व आमंत्रण पत्र

पिंडरा। पिंडरा तहसील क्षेत्र के दर्जनों गांवों में अयोध्या से आए पूजित अक्षत, आमंत्रण पत्र तथा अयोध्या मंदिर की तस्वीर का वितरण करने का कार्य रामभक्तो के द्वारा शुक्रवार को घर-घर किया गया। इसके साथ ही 22 जनवरी को रामलला प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखने तथा शाम को हर घर में दीप जलाकर दीपोत्सव मानने की अपील की गई। रामभक्तो ने सिंधोरा, फुलपर, पिंडरा, कनकपुर समेत अनेक गांव के हरिजन बस्ती, राजभर बस्ती समेत अन्य जगहों पर पूजित अक्षत, आमंत्रण पत्र तथा अयोध्या मंदिर की तस्वीर का वितरण किया। इस दौरान बाइक रैली भी निकाली गई। जिसमें प्रमुख रूप से पिंडरा खंड के सह संयोजक रमेश जायसवाल, सिंटू पांडेय, हेमंत मिश्रा, काशीनाथ जायसवाल, संजय जायसवाल , मनोज मास्टर, सौरभ समेत ग्रामीण व स्वयंसेवक उपस्थित रहें।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत

सहजनवा/गोरखपुर। गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के घघसरा चौकी अंतर्गत पनिका गांव के विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मृतका के परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या कर बिना बताए लाश को जलाने का आरोप लगाते हुए थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग किया है।मृतका के पिता नारद मुनि शुक्ला निवासी ग्राम बुदहट थाना हरपुर बुदहट जिला गोरखपुर ने सहजनवा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि विगत 13 वर्ष पूर्व मैंने अपनी पुत्री नीरज शुक्ला का विवाह संजय पांडे पुत्र स्वः कृष्ण मुरारी पांडे निवासी ग्राम पनिका थाना सहजनवा जिला गोरखपुर के साथ किया था।शादी के कुछ वर्ष बाद ही मेरे दामाद और उसके परिजन मेरी पुत्री को मारने पीटने के साथ मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे।जिसको लेकर कई बार घरेलू पंचायत भी हुई।और नात रिश्तेदारों के हस्तक्षेप से मामला रफा दफा हुआ।विगत 4 जनवरी की रात में इन लोगों ने मेरी बेटी नीरज को मिलकर बुरी तरीके से मारपीट कर घायल कर दिया।बाद में तेल डालकर उसे जला दिया गया।मृतका के पिता ने अपने दामाद संजय पांडे,उनकी माँ,जेठ जेठानी और परिवार के अन्य सदस्यों के खिलाफ तहरीर देकर कर कार्यवाही की मांग किया है। उक्त संदर्भ में में क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज विजय आनंद शाही ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर सहजनवा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दिया है। मृतका के घर और शमशान घाट का निरीक्षण किया गया है। हालांकि इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है पुलिस जांच पड़ताल की बात कह रही है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में पीड़ितों को आँसू पोछना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी होती है...

जौनपुर जनपद के खेतासराय कस्बा में एक माह पूर्व दो सगे भाइयों की निर्मम हत्या कर दिए जाने के बाद तमाम सियासी पार्टियों के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता और सगे-सम्बन्धियों ने पीड़ित परिवार के घर पहुँचकर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हर तरह की मदद करने का आश्वासन दिया तो कुछ लोगों अपने सामर्थ्य अनुसार पीड़ित परिवार का आँसू पोछने का काम किया। लोगों ने जाति, धर्म, मजहब से ऊपर उठकर पीड़ित परिवारों की मदद की। भारतीय संस्कृति में आज भी सदियों से यह प्रथा सदियों से चली आ रही है कि किसी के घर किसी कोई अनहोनी घटना होने पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए लोग जाति, धर्म, मजहब से ऊपर उठकर मानवता के लिए शोक संवेदना व्यक्त करते है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनप्रतिनिधि अपने - अपने क्षेत्रों में पहुँचकर पीड़ित को सांत्वना देते है और एक जनप्रतिनिधि की यह जिम्मेदारी भी होती है कि वह जनता के हर दुख-सुख में शामिल हो। एक जनप्रतिनिधि की भी यह जिम्मेदारी होती है की वह जनता के हर सुख-दुःख में शामिल हो। एक माह पूर्व खेतासराय में दो सगे भाइयों की निर्मम हत्या होने के बाद तमाम पार्टियों के जनप्रतिनिधि ने अपने सुविधानुसार पहुँचकर पीड़ित परिवार के साथ दुःख में ढांढस बाधने का काम किया। आर्थिक मदद भी की एवं सरकार से मदद दिलाने व न्याय दिलाने का विश्वास दिलाया। एक माह बाद जौनपुर के सांसद श्याम सिंह यादव भी गुरुवार की देर शाम खेतासराय हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलने पहुँचे तो सिर्फ पीड़ित परिवार को सिर्फ आश्वासन की घुट्टी पिलाया। सांसद ने सरकार में ना होने का रोना रोते हुए कहा कि मैं आप की बात सरकार तक पहुँचाने की कोशिश करूँगा तो सवाल उठता है की क्या सांसद के क्षेत्र की जनता न्याय की आस लगाना छोड़ दें एक जनप्रतिनिधि की जुबाँ से ये बात शोभा नहीं देती। जब एक जनप्रतिनिधि ही विपक्ष का बहना बना कर न्याय मिलने की उम्मीद छोड़ दें तो आम जनता का क्या होगा? जिसको लेकर कस्बा में तमाम तरह की चचाएँ व्याप्त है लोगों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इतने बड़े पद पर होने के बाद खुद को जनता सेवक बताते है और गरीबों के हर दुःख-सुख को बाटने का वीणा उठाने के लिए जनप्रतिनिधियों को निर्देशित करते है। एक जनप्रतिनिधि का एक माह बाद पीड़ित परिवार से मिलने जाना कही चुनावी स्टैंड तो नहीं या फिर जो झूठी हमदर्दी के सहारे 2024 में नैया पार लगाने ताना-बाना तो नहीं तो बुना जा रहा है। सांसद को पीड़ित परिवार को इतने दिनों के बाद याद क्यों और कैसे आयी। जबकि सत्ताधारी पक्ष या विपक्ष के नेता रहे हो सभी ने लगभग तमाम लोगों ने पीड़ित परिवार का आँसू पोछने का काम किया है। सच तो यह है की लोकतंत्र में जनता को उम्मीदें अपने सांसद, विधायक व जनप्रतिनिधियों से जुड़ी हुई होती है। एक माह बाद कोई सांसद पीड़ित परिवार से मिलने आये और ऊपर से आश्वसन की घुट्टी पिलाकर चला जाये तो उसके लिए यह कहावत चरितार्थ होती है कि नाम बड़े और दर्शन छोटे। सांसद के देर से आने के बाबत जब पूछा गया तो उनके साथ आएं बसपा के पूर्व प्रत्याशी सलीम खान ने कहा शीतकालीन सत्र चलने के वजह से आने में देरी हुई है। विदित हो कि शीतकालीन सत्र सम्भवतः 22 दिसम्बर को ही समाप्त हो गया था। उसके बाद एक पखवारे बाद पहुँचे से सांसद ने अपनी जिम्मेदारियों की इतिश्री कर ली लेकिन उनका आना हों क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग दबी जुबान से यह कहते हुए पाएं गए कि कहने को तो जनप्रतिनिधि खुद को जनता का सेवक बताता है लेकिन पीड़ित परिवार का दुखों का पहाड़ टूट जाने की खबर जनप्रतिनिधि को न होना इस बात को जाहिर करता है कि इस तरह जनप्रतिनिधि को जनता की कोई फिक्र नहीं, ऐसे लोग वोट के समय फिर जनता से हमदर्दी का रोना रोते है । जनता के वोटों से जनप्रतिनिधि बनकर जनता को ही भूल जाते है। ज्ञात हो कि 28 नवम्बर को खेतासराय कस्बा बभनौटी मोहल्ला निवासी फूलचन्द्र प्रजापति के दो पुत्र अजय और अंकित प्रजापति खेतासराय - खुटहन मार्ग पर चाऊमीन की दुकान पर चाकू मारकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। इस दिल दहला देने वाली घटना से हर किसी की आँखें नम हो गई और शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा। परिवार के यही दोनों बेटे किसी तरह परिवार चला रहे थे। लेकिन अब फूलचन्द्र का कुनबा वीरान हो गया। अब ऐसे में सवाल यह उठता है फूलचन्द्र के बढ़ापे की लाठी कौन बनेगा और उनका जीवकोपार्जन कैसे चलेगा।

लेखक- पत्रकार यूसुफ खान, एक राष्ट्रीय अखबार में बतौर संवाददाता है ।

गाजीपुर पुलिस ने किया अलग-अलग थाना क्षेत्रों से वांछित तथा अपराधियों को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे चेकिंग अभियान व वाँछित अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक नगर गाजीपुर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर गाजीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में दिनांक 28.12.2023 को ग्राम डिलियां थाना कोतवाली क्षेत्र में अभियुक्त उपेन्द्र कुमार बिन्द पुत्र अमेरिका बिन्द निवासी डिलियां थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर उम्र 24 वर्ष द्वारा काल्पनिक नाम सुनीता देवी पत्नी रामकुमार निवासी डिलियां थाना कोतवाली गाजीपुर वादीनी की पुत्री को शादी का झांसा देकर शारिरीक सम्बन्ध बनाना तथा विडियो बनाकर वायरल करना । शादी की बात कहने पर जान से मारने की धमकी देना । जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली, गाजीपुर पर धारा 376,506 भादवि व 67 आईटी एक्ट बनाम उपेन्द्र कुमार बिन्द उपरोक्त के विरूद्ध पंजीकृत हुआ । दौरान विवेचना वाँछित अभियुक्त उपेन्द्र कुमार बिन्द पुत्र अमेरिका बिन्द निवासी डिलियां थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर को गुरुवार को रेलवे स्टेशन गाजीपुर के प्रतिक्षालय से अभियुक्त उपेन्द्र कुमार बिन्द उपरोक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दीनदयाल पाण्डेय , थाना कोतवाली, कांस्टेबल भाईलाल यादव , थाना कोतवाली, कांस्टेबल क्रांति सिंह, थाना कोतवाली, महिला कांस्टेबल सविता तिवारी तथा अंकिता तिवारी , थाना कोतवाली, जनपद-गाजीपुर शामिल रहे। इसी प्रकार थाना नगसर हाल्ट पुलिस द्वारा दिनांक गुरुवार को उमा भारत गैस ऐजेन्सी सुहवल जनपद गाजीपुर के पिकअप वाहन स0 वढ31अळ4140 के डाले से एक गैस सिलेण्डर किसी अज्ञात ब्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया था, ऐजेन्सी के मैनेजर श्री उमाशंकर सिंह कुशवाहा पुत्र स्व0 शिवमूरत सिंह कुशवाहा निवासी ग्राम टिसौरी पोस्ट टिसौरा थाना जमानियां जनपद गाजीपुर के लिखित तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर धारा 379 भा0द0वि0 का अभियोग पंजीकृत हुआ। थानाध्यक्ष नगसर हाल्ट भूपेन्द्र कुमार निषाद मय हमराहियान पुलिस बल के साथ मुखबीर खास की सूचना पर बेमुआ चौराहे से 100 मीटर सुहवल दिशा की तरफ एक गैस सिलेण्डर के साथ एक व्यक्ति को पकडा गया, बरामद गैस सिलेण्डर का सीरियल न0 666129ळ0 चोरी गये गैस सिलेण्डर के सीरियल नम्बर से मिलान करने पर चोरी गैस सिलेण्डर का होना पाया गया, पकडे गये व्यक्ति की पहचान अनिल कुमार राय उर्फ सोनू राजभर पुत्र विद्यांचल राजभर निवासी ग्राम बेमुआ थाना सुहवल जनपद गाजीपुर के रूप मे हुयी, जिसकी जामा तलाशी से एक अदद तमंचा .315 बोर नाजायज व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ, गिरफ्तार अभियुक्त से बरामद तंमचा व कारतूस के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 04/24 धारा 3/25 आयुध अधि0 का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। चोरी की घटना का 24 घण्टे के भीतर सफल अनावरण किये जाने पर आम जनमानस मे पुलिस की भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली टीम थानाध्यक्ष भूपेन्द्र कुमार निषाद, उप निरीक्षक रामशरण कुशवाहा , कांस्टेबल अमितेश दूबे कांस्टेबल दिनेश कुमार, कांस्टेबल सौरभ यादव शामिल रहे। जबकि जमानिया थाना क्षेत्र में गुरुवार को उप निरीक्षक सुनील कुमार मय हमराह कांस्टेबल नरसिंह यादव व कांस्टेबल जयप्रकाश थाना जमानियाँ जनपद द्वारा धारा 498अ, 304ब, 323, 504, 506 से संबंधित वांछित अभियुक्त के घर से समय करीब 05.30 बजे सुबह एक 02 अभियुक्त रामअशीष पुत्र स्व0 महादेव, बीर बहादुर पुत्र रामअशीष निवासीगण ग्राम बुढाडीह थाना जमानियां गाजीपुर को गिरफ्तार करते हुये जेल भेज दिया गया ।

रामपुर ग्राम सभा बंजर भूमि के वाद में साक्ष्य 8 जनवरी को

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उपजिलाधिकारी पिण्डरा के न्यायालय में रामपुर ग्राम सभा की बंजर भूमि के बाबत दाखिल वाद की सुनवाई इन दिनों चल रही है। जिसके साक्ष्य के क्रम में आगामी 8 जनवरी को साक्ष्य प्रभावित किसान दे सकते है। एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा ने बताया कि सरकार बनाम अन्य के खिलाफ धारा 31/32 उ०प्र०रा०सं० 2006 स्थित मौजा रामपुर (थाना) परगना कोलअसला तहसील पिण्डरा का वाद विचाराधीन है। उक्त वाद में मौजा रामपुर (थाना) परगना कोलअसला तहसील पिण्डरा के फसली वर्ष 1356 व 1359 लगायत 1366 तक के अभिलेख खतौनी में कुल 238 आराजियात मय रकवा 302.35 एकड़ भूमि बंजर खातें में निहित है, जिसके सम्बन्ध में तहसीलदार पिण्डरा विकास पांडेय द्वारा प्रस्तुत जांच आख्या में गलत, त्रुटिपूर्ण व अवैधानिक ढंग से नई आराजियों में पूर्ण या आंशिक रूप से सम्मिलित की गई बंजर आराजियात रकबा 226.91-1/2 एकड़ को पुनः बंजर खाता संख्या-991 फसली वर्ष 1427- 1432 में दर्ज करने हेतु अन्तर्गत धारा 32/38 के तहत उपजिलाधिकारी न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उप जिलाधिकारी पिण्डरा ने बताया कि उपरोक्त वाद में यदि कोई व्यक्ति या प्रभावित व्यक्ति न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति/साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहता है, तो स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपरोक्त वाद के सम्बन्ध में उनके न्यायालय में 8 जनवरी को सुबह 10 बजे उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकता है। अनुपस्थिति के स्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही कर दी जायेगी।

रिन्यू सीएसआर के कंबल वितरण कार्यक्रम से गरीबों को मिल रहा सहारा : डा.दयाशंकर मिश्र दयालु

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ.दयाशंकर मिश्र "दयालु" ने वाराणसी के जक्खिनी क्षेत्र के पनियरा स्थित रिन्यू एडुहब प्रशिक्षण केंद्र पर जरुरतमंद महिलाओं को कंबल वितरित किया बतौर मुख्य अतिथि डॉ. दयाशंकर मिश्र दयालु ने इस मौके पर 1000 से ज्यादा महिलाओं को कंबल वितरित किया।

डा. दयाशंकर मिश्र "दयालु" ने कहा कि रिन्यू सीएसआर की यह एक बड़ी पहल है यदि सभी कापोर्रेट इस तरह की पहल करें तो समाज के वंचित वर्ग को बड़ा सहारा मिलेगा` कहा कि मैं समाज के सभी संभ्रांत परिवारों और कॉपोर्रेट घरानों से इस तरह के कार्यक्रम करने की अपील करता हूं जिससे गरीबों और जरूरतमंदों को इसका लाभ मिल सके और इस कड़कड़ाती ठंड से उनका बचाव हो सके` रिन्यू सीएसआर के प्रबंधक संदीप कुमार ने बताया कि गिफ्ट वार्म्थ कैंपेन के तहत अब तक साढ़े छः लाख कंबल बांटे जा चुके हैं और वाराणसी में इस वर्ष 5400 कंबल बांटा जायेगा।

रिन्यू सीएसआर द्वारा बनाए गए विज्ञान प्रयोगशाला का किया उद्घाटन - आयुष मंत्री डॉ.दया शंकर मिश्र 'दयालू' ने कंबल वितरण के बाद पनियरा स्थित अपर प्राईमरी स्कूल में रिन्यू सीएसआर द्वारा बनाए गए विज्ञान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया जिसमें ह्यूमन एनाटामी, ऊर्जा, परिवर्तक, टेलीस्कोप, डिजीटल माईक्रोस्कोप और अन्य उपकरण लगाये गये हैं जिससे छात्र-छात्राओं में विज्ञान के प्रति रुचि जागृत करने में मदद मिलेगी इस मौके पर मंत्री ने बच्चों से भी बातचीत की` कार्यक्रम में मंत्री के जनसंपर्क अधिकारी गौरव राठी, राकेश पांडेय, अंकित सिंह, संतोष पाठक, अरविंद पांडेय, सौरभ राय आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे` धन्यवाद ज्ञापन ग्राम प्रतिनिधि अरविंद पाण्डेय ने दिया।

जय श्री कृष्ण फाउंडेशन के बैनर तले कड़कड़ाती ठंड से ठिठुर रहे लोगों को बांटा गया कम्बल

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के बैनर तले सदस्यों ने इस बारिश में बेहद ठंड में लमही ग्राम के ग्राम वासियों के चेहरे पर जो खुशियां और प्रसन्नता लाई है उसके लिए उपस्थित सभी लोगों का हृदय से आभार एवं आशीर्वाद दिया` कम्बल व ऊनी वस्त्र सामग्री वितरण एवं गौशाला में पूजन कर सभी सदस्य धन्य हो गए इस कड़कड़ाती ठंड के समय जरूरतमंद जनों तक मिलकर कम्बल व ऊनी वस्त्र पहुंचाने की मुहिम के तहत लमही गौशाला में कम्बल वितरण किया` सर्वप्रथम गौ पूजन एवं आरती उसके बाद सभी गांव वालों के साथ हनुमान चालीसा का पाठ के बाद कंबल वितरण का कार्यक्रम शुरू हुआ उपस्थिति सैकड़ो लोगों में कंबल वितरण किया गया` जय श्री कृष्णा फाउंडेशन के संस्थापक एवं समाजसेवी संजीव अग्रवाल एवं राकेश अग्रवाल के नेतृत्व में शानदार आयोजन हुआ` कार्यक्रम में संजीव अग्रवाल, अरविंद जैन, प्रदीप मल्होत्रा ,डॉ. रितु गर्ग, सौम्या अग्रवाल ,गौरव राठी ,जयेश वर्मा, डब्बू अग्रवाल , संदीप मुखर्जी ,दिलीप खेतान , विकास तिवारी ,दिव्या अग्रवाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

संक्षिप्त खबरें

भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी के प्रतिनिधि गागा भट्ट के प्रतिमा बनाने के संबंध में उप मुख्यमंत्री से की मुलाकात

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। भट्ट ब्राह्मण महासभा काशी के कार्यकारी अध्यक्ष पंडित आनंद कुमार राय महामंत्री अवधेश राय सहमहामंत्री पं.श्यामधर शर्मा व समाजसेवी एवं एडवोकेट पंडित घनश्याम शर्मा ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात कर काशी के विद्वान पंडित गागा भट्ट का काशी में प्रतिमा बनाने के संबंध में उन्हें पत्र देकर जल्द कराने का आग्रह किया।

जलनिगम से जलापूर्ति ठप होने पर धरने पर बैठे ग्रामीण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के नेवादा मंगारी स्थित पेयजल नलकूप के एक हफ्ते से मोटर जलने से ठप जलापूर्ति व जलनिगम के अधिकारियों के उपेक्षात्मक रवैये से आहत ग्रामीण शुक्रवार को धरने पर बैठ गए। चार घण्टे बाद एसडीएम के आश्वासन पर धरना खत्म हुआ। गत एक सप्ताह से नेवादा मंगारी में स्थापित पेयजल नलकूप के मोटर जलने व जलापूर्ति ठप होने पर जलनिगम के अधिकारियों से गुहार लगाई लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। जिसपर शुक्रवार को कड़ाके के ठंड के बीच अर्धनग्न होकर पेलयजल नलकूप के पास धरने पर बैठ गए। वही अंदर बैठे कर्मचारी इसकी सूचना अपने अधिकारियों तक नही दी। वही बीडीसी श्याम मोहन गुप्ता बाबू के नेतृत्व में ग्रामीण भीषण ठंड के बाद भी धरने पर बैठे रहे। इसी बीच इसकी सूचना एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा को मिली तो वह मोबाइल से ग्रामीणों और जलनिगम के अधिकारियों से भी बात की। इसके बाद सोमवार तक पेयजल नलकूप ठीक कराने का आश्वासन देकर धरना खत्म कराया। इस दौरान संजय जायसवाल, विनोद पांडेय , मयंक जायसवाल, डिंपल जायसवाल, संदीप जायसवाल, संतोष गुप्ता, विजय गुप्ता, विक्की गुप्ता, सावन सेठ, रतन मोदनवाल, विनोद सेठ , विशाल जायसवाल समेत ग्रामीण रहे।

पूर्व विधायक स्वः अब्दुल कलाम साहब की पुण्यतिथि की स्मृति में महारक्तदान शिविर का आयोजन

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी का पहली बार वाराणसी में परचम लहराने वाले पूर्व विधायक स्वर्गीय अब्दुल कलाम साहब की 20वीं पुण्यतिथि की स्मृति में महा रक्तदान शिविर का आयोजन बनारस चेरिटेबल ब्लड सेंटर में किया गया ज्ञात हो कि स्वर्गीय अब्दुल कलाम साहब श्रद्धये नेताजी के बेहद करीबी वह विश्वास पात्र लोगों में से एक थे` वह लगातार 1996 व 2002 में दो बार विधायक रहे 5 जनवरी के ही दिन 2005 में गंभीर बीमारी के कारण उनका निधन हुआ था` आज हम सभी समाजवादी साथी स्वः विधायक जी की 20वीं पुण्यतिथि की स्मृति में रक्तदान कर उनके बताए हुए आदर्शों व सिद्धांतो पे चलने का काम करेंगे। इस महा रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के तौर पर स्वः विधायक जी की पत्नी पूर्व विधायिका श्रीमती राबिया कलाम जी उपस्थित रही साथ ही कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे "युथ ब्रिगेड समाजवादी पार्टी" के पूर्व राष्ट्रीय सचिव व पूर्व प्रचारक जीशान अंसारी ने बताया कि स्वः विधायक जी का पूरा जीवन लोक कल्याण व जनहित के कार्यो में न्यौछावर रहा किसी भी प्रकार के अन्याय व तानाशाही से लड़ने की प्रेरणा हम सभी को स्वः विधायक जी से ही मिली है विधायक जी अपने आप मे समाजवाद के जीते-जागते उदाहरण थे` इस मौके पे स्वः विधायक जी के सुपुत्र समाजवादी विचारक जीशान कलाम ने विस्तार पूर्वक बात करते हुए बताया कि जनहित के मुद्दों पे सड़क से लेकर संसद तक कि लड़ाई लड़ने व जनता के दर्द को अपना दर्द समझना स्वः विधायक जी से विरासत के तौर पे मिला। रक्तदान करने वालो में दानिश कलाम, मो० सैफ, मो० अमीर, साजा कुरैशी, अब्दुल कलाम कुरैशी, अखलाक अहमद, राशिद भाई, रजत श्रीवास्तव, बाबू भाई, जिया अंसारी, मो० शाहबाज, टीपू भाई, कुक्कू, अंकित जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

डॉक्टर भगवान का रूप होता है लेकिन आज भाजपा सरकार मे देश और प्रदेश अराजकता का शिकार कानून व्यवस्था ध्वस्त- सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या के नेतृत्व में जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर चौराहे पर अपनी निजी चिकित्सालय चला रहे डॉक्टर तिलकधारी को अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर की हत्या कर दी। वहीं शुक्रवार को जिलाअध्यक्ष राकेश मौर्या एवं विधायक डॉ रागिनी सोनकर,पूर्व विधायक श्रद्धा यादव सहित वरिष्ठ नेताओं के साथ मडियाहू विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सभा गोपीपुर में स्थित आवास पर पहुंचे और घटना की पूरी जानकारी लिया वहीं सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ने कहा कि डॉक्टर भगवान का रूप होता है लेकिन आज भाजपा सरकार मे देश और प्रदेश अराजकता का शिकार हैं कानून व्यवस्था ध्वस्त है कानून व्यवस्था पर जीरों टॉलरेंस का दावा जीरो साबित हो चुका है भाजपा सरकार आरोपियों को लगातार बचाती रही हैं प्रदेश में अपराध के तमाम आरोपियों और षड्यंत्रकारी के भाजपा नेताओं से सीधे सम्बंध दिखाई देते हैं जीस तरर बुधवार की रात डॉक्टर तिलकधारी पटेल की अपराधियों ने अस्पताल में घुसकर हत्या किया यह बहुत दुखद है उससे भी ज्यादा दुख इस बात की है की है की अभी अपराधी पकड़े नहीं गये इस घटना की पूरी जानकारी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दिया जायेगा और पूरी समाजवादी पार्टी मृतक परिवार के साथ खडा है और मृतक परिवार को न्याय दिलाने के लिए जो भी लडाई आगे लडना होगा समाजवादी पार्टी लडेगा और न्याय दिलायेगा वही विधायक डॉ रागिनी सोनकर कहा इस घटना को सदन में उठाया जायेगा और भाजपा सरकार से मृतक परिवार को एक करोड़ का सहायता राशि मुख्यमंत्री राहत कोश देने मांग करते है। मुख्य रूप पूर्व प्रमुख कैलाश यादव, राहुल त्रिपाठी, राजेन्द्र यादव, राना यादव, गौरी सोनकर, भारत यदुवंशी,रोहित चौबे, कुलदीप तिवारी, लूकमान खान,रामू मौर्या, संदीप दूबे, बीके पटेल, सहित बडी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मोदी के नेतृत्व मे देश विकास और सम्मान की ऊंचाइयों के लक्ष्य सोपान पर है : अभिनव सिन्हा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश विकास और सम्मान की असीम ऊंचाईयों के लक्ष्य सोपान पर है, सरकार की योजनाएं कैसे आम आदमी तक पहुंचे इसके लिए देश भर में जमीन पर काम हो रहा है। यह बात भाजपा नेता अभिनव सिन्हा ने कही अभिनव सिन्हा आज जंगीपुर विधानसभा के मानपुर मे भाजपा के वरिष्ठ नेता संकठा प्रसाद मिश्र के द्वारा आयोजित कम्बल वितरण समारोह में मुख्य अतिथि पद से बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संकठा प्रसाद मिश्र द्वारा क्षेत्र के निराश्रित, गरीब, दिव्यांग महिला पुरूष लोगों के लिए किए गए इस पुण्य कार्य के वर्णन का किसी शब्द में सामर्थ्य नही है जिससे इस नेक कार्य का वर्णन किया जा सके। इस मौके पर जिला महामंत्री अवधेश राजभर ने कहा कि सेवा समर्पित संगठन के कार्यकर्ता होने के नाते संकठा प्रसाद मिश्र में संगठन विचार धारा से ओतप्रोत गुणवत्ता पूर्ण व्यक्तित्व की पहचान हैं। जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की हर योजना में मातृशक्ति एवं समाज का गरीब और कमजोर व्यक्ति रहा है तब एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल के कार्यकर्ता होने के नाते हमारी भी समाज के प्रति जिम्मेदारी है। मानपुर, बाबूरायपुर, भिखनापुर, अरखपुर, बघोल, जयन्तिदासपुर, केशरपुर, साथीपुर और चक हुसाम उर्फ शाहपुर के सैकड़ों निराश्रित, गरीब, विधवा, दिव्यांग लोगों में कम्बल का वितरण अभिनव सिन्हा के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष मन्नू राजभर, पंकज राय, रंजीत कुमार, सुरेंद्र कुमार शर्मा, रमेश कुमार सिंह, सोनू मिश्रा,मारकंडेय गुप्ता, बहादुर राजभर सहित आदि अन्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन लाल जी गुप्ता ने किया।

जिलाधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ किया निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण से संबन्धित कार्यो की समीक्षा बैठक जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों एव उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार सिंह की उपस्थित मे संम्पन्न हुआ।

बैठक मे जिलाधिकारी ने उपस्थित राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों को बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संशोधित कार्यक्रम को पदाधिकायों के समक्ष रखा कर बताया गया कि दावे और आपत्तियों का निस्तारण 26 जनवरी 2023 के स्थान पर 12 जनवरी 2024 को कराया जायेगा एवं मतदाता सूची का अंतिम प्रकाश दिनांक 22.01.2024 को किया जायेगा। उन्होने बताया कि दिनांक 04 जनवरी, 2024 तक फार्म 6, 7, व फार्म 8 समस्त विधान सभा क्षेत्र में फार्म 6 के 138161, फार्म 7 के 41137 व फार्म 8 के 16509 फार्म प्राप्त हुए के अनुसार ई-रोल फीडिंग कराया गया। उन्होने फार्म 09, 10, 11 प्राप्त की जानकारी ली तो राजनैतिक दलो के पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि सभी फार्म हार्ड एवं सॉफ्ट कापी साप्ताहिक रूप से प्राप्त कर लिया गया है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2024 के दौरान फार्म-6 नाम सम्मिलित किये जाने, फार्म-7 नाम अपमाजिर्तत किये जाने एवं फार्म-08 नाम संशोधित कराये गये हम पदाधिकारियों को किसी प्राकर की काई आपत्ति नही है। जिलाधिकारी ने उपजिला निर्वाचन अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी को अवगत कराया कि सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को 06.01.2024 तक फार्म- 06, 07, एवं 08 फार्म को प्राप्त करा दिया जाय। उन्होने चुनाव से सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया कि आयोग से प्राप्त पत्रो की सूचना अध्यक्ष /मंत्रीयों के साथ पदाधिकारियों को भी वाट्सप एवं ई-मेल के माध्यम से तत्काल सूचना दी जाय।

ओवर ब्रिज से अंनियत्रित होकर पलटी बाईक एक युवक की मौत, एक गंभीर घायल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शहर कोतवाली क्षेत्र के टैक्सी स्टैंड के पास गुरुवार की रात्रि ओवरब्रिज से बाईक सवार की गिरने से जहाँ एक युवक की मौत हो गई वही उसका साथी बुरी तरह घायल हो गया। आम नागरिकों की मदद से जहाँ उन को उपचार के लिए भेजा गया वही पुलिस को सुचना दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरुण सिंह निवासी बाराचवर रौजा स्थित चंदन नगर में आवास बना कर रहते हैं। अरुण सिंह का पुत्र गौरव सिंह उम्र लगभग 23 वर्ष गुरुवार को अपने मित्र अतुल गुप्ता उम्र करीब 22 वर्ष पुत्र मनोज गुप्ता निवासी रौजा ओवरब्रिज चंदन नगर के साथ शहर में बाईक से घुमने गया था। वापसी के समय रात्रि करीब ग्यारह बजे ओवरब्रिज टर्निंग पर बाईक अनियंत्रित होकर पलट जाने से दोनों युवक पुल के नीचे गिर पड़े जिसमें गौरव की मौत हो गई वही अतुल तार के सहारे गिरने के कारण बुरी तरह घायल हो गया। आवाज सुनकर वहाँ लोगों की भीड़ लग गई।

पैगम्बर मुहम्मद साहब की इकलौती बेटी फात्मा जहरा की विलादत पर हुई महफिल

प्रखर रामनगर वाराणसी। अजाखानए बनी हाशिम गोलाघाट मे बुधवार रात्रि एक महफिल का आयोजन किया गया। जिसमें हिंदुस्तान के अलग अलग शहरों से आये शायरों ने शिरकत की। महफिल का आगाज तिलावते कलामे पाक से मोहम्मद मेंहदी रिजवी ने किया। महफिल में आये शायरों में ताज कानपुरी, वसीम मोइयावी, हसन वास्ती फैजाबाद, जोहैर सुल्तानपुरी, शाह शाह मिजार्पुरी, अम्बर तुराबी, सीरत गाजीपुरी, यूसुफ रिजवी रईस, मुजतबा हुसैनी अरजानीपुरी, राशीद मिजार्पुरी, तस्नीम आब्दी, बाकर रजा रामनगरी शायरों ने अपने कलाम सुनाये। महफिल की सदारत मौलाना सय्यद मो० अकील हुसैनी व सय्यद फरमान रजा ने की। शायरों ने अपने कलाम से पैगम्बर मुहम्मद साहब की इकलौती बेटी फात्मा जहरा सअ की जिन्दगी पर रौशनी डाली। महफिल में मुख्य रूप से सय्यद अख्तर रजा आब्दी, मो० हैदर, समर अब्बास, आजम रिजवी, शबीहुल हसन फातमी, रजा काजमी, मो० आसिफ, नकी हसन, शमीम अख्तर, सादिक, सय्यद तस्नीम आब्दी, सय्यद मोहम्मद मेंहदी, मिर्जा. मुशीर हसन, नदीम आब्दी, सय्यद मोहम्मद असर जैदी, सैफ रजा, एबाद रजा, कुमैल रजा, बाकर, मुजतबा, कुमैल, अरमान, सरफराज, जीशान, अता अब्बास आदि लोग मौजूद थे। महफिल का संचालन गुलजार मौलाई ने किया।

खत्म हुआ कुष्ठ रोगी खोजी अभियान, पुनः 54 नए कुष्ठ रोगी हुए चिन्हित

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कुष्ठ रोगी खोजी अभियान जो 21 दिसंबर से 4 जनवरी तक पूरे जनपद में पल्स पोलियो अभियान की तर्ज पर चलाया गया। जिसका सकारात्मक परिणाम भी निकल कर सामने आया। इस अभियान में 54 कुष्ठ रोगियों की खोज हुई है। जिन्हें एमडीटी के तहत इलाज किया गया। साथ ही यह संभव है कि इस अभियान का आने वाले कुछ समय में और परिणाम निकल कर सामने आए। क्योंकि बहुत सारे लोग सामाजिक डर से अपने इस रोग को किसी को बताना नहीं चाहते हैं। इस अभियान में स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही साथ एसीएमओ और नोडल कुष्ठ रोग डॉ रामकुमार खुद इस अभियान में धरातल पर पहुंचकर रोगियों की खोज की। नोडल डॉ रामकुमार ने बताया कि यह अभियान एक महत्वपूर्ण अभियान में था। क्योंकि सरकार के द्वारा इसे पल्स पोलियो अभियान की तर्ज पर चलाया गया था। जिसमें घर-घर स्वास्थ्य कर्मी पहुंचे और रोगियों के बारे में जानकारी हासिल किया। इसी क्रम में वह स्वयं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर के अंतर्गत ग्राम होलीपुर सहित कई गांव में रोगियों के खोज में जुटे। यह अभियान 21 दिसंबर से शुरू होकर 4 जनवरी तक चला। जिसमें करीब 35 लाख लोगों का परीक्षण किया गया। जिसमें से 2060 संदिग्ध रोगी पाए गए। संदिग्ध की जांच के पश्चात 54 कुष्ठ रोगी की पुष्टि हुई। इसके पश्चात इन सभी मरीजों को एमडीटी योजना के तहत इलाज किया गया।कुष्ठ एक संक्रामक रोग है। यह ह्यमाइकोबैक्टीरियम लेप्रेह्न नामक जीवाणु के कारण होता है, जो एक एसिड-फास्ट रॉड के आकार का बेसिलस है। यह त्वचा के अल्सर, तंत्रिका क्षति और मांसपेशियों को कमजोर करता है। कुष्ठ रोग में त्वचा पर हल्के रंग के धब्बे दिखाई देते हैं। धब्बे संवेदना रहित होते हैं और रोग की शुरूआत बहुत धीमी गति व शांति से होती है। यह तंत्रिकाओं, त्वचा और आंखों को प्रभावित करता है। सभी संक्रामक रोगों में कुष्ठ रोग अत्यधिक घातक है, क्योंकि इस रोग में स्थाई शारीरिक दिव्यांगता हो सकती है एवं इस रूप में विशेष रुप से रोग में दिखने वाली दिव्यांगता ही मरीज के साथ होने वाले सामाजिक भेदभाव के लिए जिम्मेदार है। यदि समय पर इसका इलाज नहीं किया जाए तो यह गंभीर विकृति और दिव्यांगता का कारण बन सकता है। कुष्ठ रोगियों के पैरों के तलवों में छाले, मांसपेशियों की कमजोरी और वजन में कमी सामान्य सी बात है।

8 जनवरी से 31 जनवरी तक सभी विकास खण्ड पर लगेगा रोजगार मेला भरे जायेंगे 3000 पद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला समन्वयक कौशल विकास मिशन गाजीपुर ने बताया है कि जनपद के समस्त 16 विकास खण्ड पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजनान्तर्गत विकास खण्ड स्तर पर रोजगार मेलों का आयोजन कराने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त रोजगार मेलों के अन्तर्गत प्रत्येक विकास खण्ड स्तर पर कौशल विकास मिशन एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में रोजगार मेला का आयोजन किया जायेगा। जिसमें 30 से अधिक राष्ट्रीय स्तर कंपनियों द्वारा लगभग 3000 से अधिक पदों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेगे, अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराये जाने हेतु जनपद में दिनांक 08 जनवरी 2024 से 31 जनवरी 2024 तक जनपद के सभी विकास खण्डों पर मेले का आयोजन किया जायेगा। इस क्रम में जिला सेवायोजन अधिकारी, जिला समन्वयक, कौशल विकास मिशन मुकेश कुमार ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में जिले के 18 से 35 वर्ष के बेरोजगार युवा अपना आधार कार्ड शैक्षणिक प्रमाण-पत्र की छायाप्रति व बायोडाटा के साथ में साक्षात्कार में सम्मिलित हो कर रोजगार प्राप्त कर सकते है। जिसमें विकास खण्डवार तिथि निर्धारित की गयी है दिनांक 11.01.2024 को विकास खण्ड सैदपुर में मोती लाल पी0जी0 कॉलेज सैदपुर, दिनांक 12.01.2024 को देवकली ब्लाक में रामशंकर बालगोपाल शिक्षण संस्थान, मउपारा, देवकली, दिनांक 16.01.2024 को मरदह ब्लाक में खण्ड विकास परिसर मरदह, दिनांक 18.01.2024 को बिरनो ब्लाक में दानिश मेमोरियल पब्लिक स्कूल, सरस्वती नगर, जंगीपुर बिरनो, दिनांक 19.01.2024 को कासिमाबाद में खण्ड विकास परिसर, कासिमाबाद में, दिनांक 20.01.2024 को मोहम्मदाबाद में कृषक हार्ड स्कूल बिशुनपुरा, रघुवरगंज मोहम्मदाबाद, दिनांक 22.01.2024 को बाराचवर ब्लाक में अमरनाथ पूर्वांचल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सहजतपुर, बाराचवर, दिनांक 23.01.2024 को भॉवरकोल ब्लाक में खण्ड विकास परिसर, भॉवरकोल, दिनांक 24.01.2024 जमानियॉ ब्लाक में राजकिशोर सिंह महिला महाविद्यालय, बरूईन, जमानियॉ, दिनांक 27.01.2024 को रेवतीपुर ब्लाक में खण्ड विकास परिसर, रेवतीपुर में, दिनांक 29.01.2024 को भदौरा ब्लाक में शान्ति पैलेन्स, गहमर भदौरा, दिनांक 30.01.2024 को करण्डा ब्लाक में खण्ड विकास परिसर, करण्डा में एवं 31.01.2024 को सदर ब्लाक में राजकीय आई0टी0आई0 परिसर गाजीपुर में किया जायेगा।

विधायक का स्टिकर लगाकर फर्जीवाड़ा करने वाली वंदना गिरफ्तार

प्रखर अंबरनाथ/ डेस्क। अपनी गाड़ी पर विधायक का स्टिकर लगाकर फजीर्वाड़ा करने वाली महिला वंदना मिश्रा अब गिरफ्तार होकर सलाखों के पीछे है। बता दें कि अपनी गाड़ी पर विधायक का स्टीकर सटाकर लोगों के साथ ठगी करने के मामले में अंबरनाथ पुलिस ने मामला दर्ज किया था। जिसके बाद गिरफ्तारी हुई। महिला पर मुंबई समेत आसपास के क्षेत्र में धोखाधड़ी के कई मामले दर्ज हैं। फर्जी महिला विधायक अपने दो सहयोगियों के साथ फजीर्वाड़ा करती थी। आखिरकार उसकी पोल खुली और अंबरनाथ पुलिस ने मामला दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने विधायक का स्टीकर लगी गाड़ी को भी सीज कर दिया। वहीं लोगों का कहना है कि इतना बड़ा साहस करने वाली इस महिला के पीछे जरूर कोई बड़े लोग शामिल होंगे। जिसकी जांच पुलिस कर रही है। बताते चलें कि अय्यप्पा मंदिर के बगल में मोहन सबर्बिया इमारत के निवासी अनमोल कुमार व दीनानाथ सिंह द्वारा अंबरनाथ पश्चिम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि वंदना संजय मिश्रा नामक महिला ने अपने आप को विधायक बताया। उसकी इनोवा गाड़ी पर भी विधायक का स्टीकर लगा हुआ था। फरवरी 2023 से जुलाई 2023 के दौरान उसने अभिषेक सिंह व फिरोज नामक दो लोगों को अपना पीए बताते हुए उनका विश्वास जीत और पिस्तौल व लाइसेंस दिलाने के नाम पर आरोपी वंदना मिश्रा ने अपने खाते में 5 लाख 20 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। काफी दिनों तक पिस्तौल व लाइसेंस नहीं मिलने पर अनमोल ने इस संबंध में आरोपी वंदना मिश्रा से पूछा तो इस पर वंदना मिश्रा नाराज होकर धमकी देने लगी और जब पैसे की मांग की तो उन्होंने कहा कि पैसा नहीं मिलेगा और आगे से मांगे तो तुम्हें कोई बचा नहीं पाएगा। धमकी सुनकर वे ठगे रह गए। इसके बाद उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

रेल हादसों को रोकने के लिए कवच सिस्टम का ट्रायल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने पहली बार 140 किमी प्रति घंटे की स्पीड पर कवच सिस्टम का ट्रायल किया है। ये ट्रायल मथुरा और पलवल के बीच 30 दिसंबर को किया गया। इस सिस्टम को ट्रेनों की टक्कर रोकने के लिए तैयार किया गया है। किसी इमरजेंसी की स्थिति में अगर ड्राइवर ब्रेक नहीं मार पाता है, तो ये सिस्टम ऑटोमैटिकली ब्रेक लगाएगा। इससे पहले कवच सिस्टम के तीन ट्रायल किए गए थे।

ये तीनों ही ट्रायल 130 किमी/घंटे की रफ्तार पर साउथ सेंट्रल रेलवे के तीन सेक्शंस में किए गए थे। उनमें पॉजिटिव नतीजे देखने को मिले थे। आगरा डिविजन की पीआरओ प्रशस्ती श्रीवास्तव ने बताया कि ताजा ट्रायल के नतीजे बेहद अच्छे रहे हैं।

सुकेश ने जैकलीन के साथ हुई चैट पर रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली की जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलिन फर्नांडीज के साथ किए गए कथित फर्जी व्हाट्सएप चैट के हालिया प्रसार पर अपना पक्ष रखा है। उनका बयान न केवल बातचीत की प्रामाणिकता पर सवाल उठाता है, बल्कि चंद्रशेखर और फर्नांडीज के बीच कई बातचीत में से एक की झलक भी पेश करता है। चन्द्रशेखर के अनुसार, साझा की गई चैट 2021 की है जहां उन्हें और फर्नांडीज को गलतफहमी का सामना करना पड़ा था। उनका दावा है कि फर्नांडीज ने माफी मांगी और मैसेज में अपने प्यार का इजहार किया। उनके बयान का मकसद फर्नांडीज की सार्वजनिक छवि को एक पीड़ित के रूप में पेश करना है जिसका उससे कोई संबंध नहीं है।

कुपवाड़ा में आग से 50 दुकानें खाक, करोड़ों का घाटा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में गुरुवार को भीषण आग लगने से कम से कम पचास दुकानें और पांच आवासीय कमरे जल गए और इसके कारण करोड़ों रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ। कुपवाड़ा के अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा ने 'यूनीवार्ता' को बताया कि कुपवाड़ा के दार गली मुख्य बाजार में गुरुवार को तड़के लगभग 4.33 बजे एक दुकान में आग लग गई और उसने अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके कारण 16 दुकानों और पांच आवासीय कमरों को भारी नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि अन्य दुकानें या तो आग से या पानी की बौछार से आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। आग बुझाने में दो दमकलकर्मी जख्मी भी हुए हैं और उन्हें प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। बाजार में सौंदर्य प्रसाधन, होजरी, इलेक्ट्रॉनिक आइटम, मोबाइल एक्सेसरीज, चाय की दुकानें और फुटवियर की दुकानें थीं। आग पर काबू पाने में अग्निशमन कर्मियों को 6घंटे का समय लगा।

टीवी एक्ट्रेस नेहा के घर से चोरी हुई लाखों की ज्वेलरी

मुंबई। टीवी की गौरी मैम यानि एक्ट्रेस नेहा पेंडसे के घर पर चोरी हो गई। खबरों के अनुसार नेहा के मुंबई वाले घर से 6 लाख रुपये के गहने गायब हो गए हैं जिसके बाद इस मामले की रिपोर्ट नेहा के पति शार्दुल सिंह ब्यास के ड्राइवर ने पुलिस में दर्ज कराई है। इस खबर की पुष्टि खुद एक्ट्रेस ने भी कर दी है। हाल ही में नेहा पेंडसे ने कहा कि, मैं इस मामले पर बात करने में सहज नहीं हूं। मेरे घर पर चोरी हुई है। ये मामला 28 दिसंबर का है। पुलिस में दर्ज करवाई गई रिपोर्ट के अनुसार नेहा से उनके पति की एक डायमंड रिंग और डायमंड ब्रेसलेट गायब हैं। जिसे वो घर आने पर अपने नौकर सुमित को उतारकर दे देते हैं और वो उसे अलमारी में रखता था। वहीं जब कुछ दिन पहले शार्दुल घर से कहीं बाहर जा रहे थे, तब उन्हें ज्वेलरी नहीं मिली। तब उन्हें अलमारी में अपनी ज्वेलरी नहीं मिली।

आज का इतिहास

- 1592: मुगल शासक शाहजहां का लाहौर (अब पाकिस्तान) में जन्म।
- 1659: खाजवाह की लड़ाई में औरंगजेब ने शाह शुजा को हराया।
- 1671: छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों से सल्हर क्षेत्र को अपने कब्जे में किया।
- 1883: योगगुरू और आध्यात्मिक गुरू परमहंस योगानन्द का उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में जन्म।
- 1900: आयरलैंड के राष्ट्रवादी नेता जॉन एडवर्ड रेडमोंड ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया।
- 1933: अमेरिका के सान फ्रांसिस्को शहर में बने झूलने वाले गोल्डन गेट ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू,यह पुल 1937 में बनकर तैयार हुआ।
- 1934: भारतीय जनता पार्टी के नेता मुरली मनोहर जोशी का जन्म।
- 1941: क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी का भोपाल में जन्म।

माइक्रोसॉफ्ट ने 30 साल बाद कीबोर्ड में किया बदलाव

AI चैटबॉट कोपायलट के लिए अलग बटन, इसे ऑल्ट-की के बगल में रखा

नई दिल्ली

माइक्रोसॉफ्ट ने करीब 30 साल बाद लैपटॉप और पीसी के की-बोर्ड में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। टेक कंपनी ने अपने एआई चैटबॉट कोपायलट को सीधे की-बोर्ड बटन से लॉन्च करने के लिए नया बटन की-बोर्ड में जोड़ा है। इससे कंपनी यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाना चाहती है। माइक्रोसॉफ्ट ने 'कोपायलट की' को 'विंडोज की' से रिप्लेस कर इंट्रोड्यूस किया है। इसे अधिकांश की-बोर्ड पर दाहिनी ओर 'ऑल्ट की' के बगल में रखा जाएगा, जिसका प्लेसमेंट ओईएम (ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर) और दूसरे बाजारों में अलग-अलग होगा। नए बटन पर कोपायलट का लोगो लगा है।

फिलहाल यह बदलाव माइक्रोसॉफ्ट के विंडोज 11 ऑपरेटिंग सिस्टम पर चलने वाले कुछ चुनिंदा पर्सनल कम्प्यूटरों में दिखेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने 1994 में विंडोज/स्टार्ट-की को इंट्रोड्यूस किया था। इसके बाद यह पहला मौका है, जब कंपनी ने की-बोर्ड लेआउट में कोई मॉडिफिकेशन किया है।

को-पायलट उपलब्ध नहीं तो इस केई4 से विंडोज सर्च लॉन्च होगा

अगर आपके देश में अभी तक विंडोज को-पायलट उपलब्ध नहीं है, तो 'को-पायलट की' इसके बजाय विंडोज सर्च लॉन्च करेगी। मौजूदा विंडोज केई4 से स्टार्ट मेन्यू खुलता है या इसके साथ अन्य बटन दबाने पर कुछ दूसरे फंक्शन के शॉर्टकट बनाए जा सकते हैं।

सीईएस टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में इंट्रोड्यूस होगी नई केई 4 : रिपोर्ट्स के मुताबिक विंडोज 11 के की-बोर्ड में इस नए कोपायलट बटन को सीईएस टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस में इंट्रोड्यूस किया जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट इसके लिए चैट-जीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपन-एआई के साथ भी काम करेगी।

शिनमी में जमीन के नीचे मिला 4000 साल पुराना खूबसूरत महल

हेनान। एक प्राचीन शहर में पुरातत्वविदों को ऐसी चीज मिली है, जिससे हर कोई हैरान रह गया। यहां इन्हें 4000 साल पुराना महल मिला है। ये बड़ी खोज मध्य चीन के हेनान प्रांत में शिनमी के पुरातात्विक स्थल पर विशेषज्ञों ने की है। इससे पूर्व भी एक अन्य प्राचीन चीनी शहर को एक झील के तल पर पूरी तरह संरक्षित पाया गया था। अब शिनमी शहर में जो संरचना मिली है, वो एक प्राचीन शहर के तौर पर जाना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इसका निर्माण जिया राजवंश के दौरान लगभग 2070-1600 ईसा पूर्व के बीच किया था। महल 200 फीट लंबा, 100 फीट चौड़ा और 19,000 वर्ग फीट में फैला है।

200 फीट लंबा, 100 फीट चौड़ा

पीएम मोदी का मुरीद हुआ चीन

ग्लोबल टाइम्स ने लिखा- भारत आत्मविश्वास से भरा देश, मोदी की लीडरशिप में तेजी से बढ़ रहा है

बीजिंग

चीन के मीडिया ने भारत की खुलकर तारीफ करते हुए उसे ताकतवर देश बताया है। सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की आर्थिक और विदेश नीति में सकारात्मक बदलाव हुआ है। वो तेजी से आगे बढ़ रहा है। ग्लोबल टाइम्स में 2 जनवरी को फुडान यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज के डायरेक्टर झांग जियाडोंग का एक आर्टिकल पब्लिश हुआ है। इसमें उन्होंने लिखा है- भारत अब रणनीतिक रूप से ज्यादा विश्वास से भरा हुआ है और अपने 'भारत नैरेटिव' को मजबूती के साथ आगे बढ़ा रहा है।

दुनिया के लिए जरूरी है भारत

ग्लोबल टाइम्स के आर्टिकल में लिखा है- भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। वो दुनिया के लिए महत्वपूर्ण देश बन गया है। वह ग्लोबल ट्रेड, कल्चर, इकोनॉमी, पॉलिटिक्स समेत कई मामलों में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। पिछले 10 साल में मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने इन सभी क्षेत्रों में बेहतर दृष्टिकोण अपनाया है।

बेहतर परिणाम देखने को मिले

झांग जियाडोंग ने लिखा- हाल ही में मैं दूसरी विजिट पर भारत पहुंचा था। 4 साल पहले भारत का पहला दौरा किया था। मैंने देखा कि भारत की घरेलू और विदेश नीति चार साल में बिल्कुल बदल गई है। भारत ने आर्थिक विकास और सामाजिक शासन में काफी अच्छे रिजल्ट हासिल किए हैं। भारत की स्ट्रैटजी सपनों से आगे बढ़कर वास्तविकता की ओर बढ़ गई है।

पाक मीडिया भी कर चुका है भारत की तारीफ

पाकिस्तानी मीडिया भी भारत को ताकतवर देश बता चुका है। वहां के मीडिया ने साल 2023 की शुरुआत में कहा था कि ऐसे वक्त में जब यूक्रेन के मुद्दे को लेकर अमेरिका और रूस आमने-सामने हैं, तब यही दोनों देश भारत के साथ खड़े हैं। यह भारत की बेहतरीन डिप्लोमेसी है। भारत ग्लोबल पावर बन गया है। पॉलिटिकल, सिक्योरिटी और डिफेंस एनालिस्ट शहजाद चौधरी ने लिखा था- भारत ने आजाद होने के बाद से ही इंडिपेंडेंट फॉरेन पॉलिसी रखी और अपने हित देखे। भारत एग्रीकल्चर और आईटी सेक्टर की सुपरपावर है।

सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस-टीएमसी में ठनी

अधीर रंजन बोले- पीएम मोदी की खुशामद में लगीं ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया है कि वे लोकसभा चुनाव के लिए राज्य की सीटों का ईमानदारी से बंटवारा नहीं कर रही हैं। ममता इस वक्त पीएम मोदी की खुशामद में लगी हैं। इसलिए वे गठबंधन की राजनीति नहीं करना चाहती हैं। अगर वे गठबंधन की राजनीति करेंगीं तो पीएम मोदी गुस्सा हो जाएंगे। मोदी जी को जिस बात पर गुस्सा आता है, ममता दीदी वो काम नहीं करती हैं। दरअसल, एक दिन पहले ही जानकारी सामने आई थी कि ममता ने कांग्रेस को दो सीटें देने की बात कही है। अधीर ने इसी को लेकर बयान दिया है।

अधीर बोले- ममता गठबधन नहीं करना चाहती: अधीर ने कहा कि ममता बनर्जी कह रही हैं वे राज्य में कांग्रेस को दो सीटें देंगीं। ये दो सीटें वे हैं, जो कांग्रेस पहले ही जीत चुकी है। वहां कांग्रेस के सांसद हैं। तो ममता हमें नया क्या दे रही हैं? ये दो सीटें हमने ममता बनर्जी और भाजपा को हराकर जीती हैं। ममता ये सीटें देकर क्या हम पर कोई अहसान कर रही हैं? कौन अब उन पर भरोसा करेगा? चुनाव जीतने के लिए ममता को कांग्रेस की जरूरत है। कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़ने और इससे ज्यादा सीटें जीतने में सक्षम है। हम उन्हें दिखा देंगे। हमें ये दो सीटें रखने के लिए ममता की दया नहीं चाहिए।

2019 लोकसभा चुनाव में टीएमसी ने राज्य की 22 सीटें जीती थीं

पश्चिम बंगाल में लोकसभा की 42 सीटें हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में टीएमसी ने 43 प्रतिशत वोटों के साथ 22 सीटें जीती थीं। 2014 के चुनाव के मुकाबले पार्टी ने 12 सीटें गंवाई थीं। वहीं, भाजपा दूसरी सबसे बड़ी पार्टी रही। भाजपा ने 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 2014 के चुनाव के मुकाबले भाजपा को 16 सीटों की बढ़त मिली थी। कांग्रेस सिर्फ दो ही सीटें जीत पाई थी।

यूपीएसआरटीसी का प्लानः रोडवेज की बसों में बजेंगे राम भजन

अयोध्या। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर युद्ध स्तर पर चल रही तैयारियों के बीच सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर परिवहन विभाग ने अपनी कार्य योजना तैयार कर ली है। कार्य योजना के तहत 22 जनवरी तक राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) की बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाने के निर्देश दिए गए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में सीएम योगी ने अयोध्या में प्रतिष्ठा समारोह को लेकर समीक्षा बैठक की थी, जिसमें उन्होंने 14 जनवरी से अयोध्या के मंदिरों में भजन, रामायण और रामचरितमानस का पाठ और सुंदरकांड जैसे कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया था। इसी प्रकार 22 जनवरी के लिए परिवहन विभाग द्वारा तैयार योजना के अनुसार, सभी यात्री वाहनों और बस स्टेशनों में स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी। जबकि यात्रियों को प्रेरित करने के लिए बसों में स्थापित पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर लोकप्रिय राम भजन बजाए जाएंगे। प्रसारण में विभिन्न कलाकारों द्वारा भगवान राम से संबंधित लोकप्रिय भक्ति गीतों की प्रस्तुतियां शामिल होंगी।

शर्मिला की एंट्री से बदल सकता है आंध्र का सियासी पारा

हैदराबाद। वाईएस शर्मिला के कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से आंध्र में राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं, जहां पुरानी पार्टी अपनी किस्मत को फिर से चमकाना चाह रही है। राज्य के विभाजन पर जनता के गुस्से से आंध्र के राजनीतिक परिदृश्य से एक दशक तक गायब रहने के बाद कांग्रेस वापसी की कोशिश कर रही है। गुरुवार को वाईएसआरटीपी का कांग्रेस में विलय करने वाली शर्मिला ने आंध्र में जिम्मेदारी संभालने सहित पार्टी में कोई भी पद स्वीकार करने की इच्छा जताई है। अब शर्मिला व उनके भाई और सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी के बीच सीधे टकराव की संभावना है।

पूर्व भारतीय नौसैनिकों के पास अपील के लिए 60 दिन का वक्त

नई दिल्ली। कतर की जेल में बंद आठ पूर्व भारतीय नौ सैनिकों को कैसेशन कोर्ट (भारत में सुप्रीम कोर्ट की तरह) ने सजा के खिलाफ अपील करने के लिए 60 दिन का समय दिया गया है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने गुरुवार को दी। उन्होंने कहा कि कानूनी टीम के पास कोर्ट का आदेश है और यह गोपनीय रखा गया है। उन्होंने कहा कि 28 दिसंबर को कोर्ट ऑफ अपील ने फैसला सुनाया था। इसके बाद हमने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया था कि इन नौसैनिकों की मौत की सजा को कैद में बदल दिया गया है। अब हमारे पास कोर्ट का आदेश है।

दिल्ली में अब मोहल्ला क्लिनिक घोटाला, सीबीआई जांच होगी

नई दिल्ली। दिल्ली में केजरीवाल सरकार की ओर से चलाए जा रहे मोहल्ला क्लिनिक में फर्जीवाड़े के आरोपों की सीबीआई जांच का उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने आदेश दे दिया है। राज निवास की ओर से गुरुवार को यह जानकारी दी गई।

आरोप- नकली मरीजों के टेस्ट लिखे जाते थे, भाजपा बोली-दारू के बाद अब दवा घोटाला

स्वास्थ्य विभाग की जांच में सामने आया है कि यहां ऐसे मरीजों को लैब टेस्ट कराए जा रहे थे जो वास्तव में थे ही नहीं। इन्हें घोस्ट पेशेंट कहा जाता है। ऐसा प्राइवेट लैब को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा था। इसे लेकर भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने दारू के बाद दवा घोटाला किया है। क्या इन मोहल्ला क्लिनिक में सीसीटीवी कैमरा थे? अगर थे, तो एक दिन में यहां 500 पेशेंट के आने का फुटेज भी होगा। पिछले महीने ही राज्यपाल ने दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में नकली दवाएं होने के आरोप पर चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार को जांच का निर्देश दिया था। 23 दिसंबर को लिखे पत्र में उन्होंने मामले की सीबीआई जांच कराने को कहा था।

भगवान राम को मांसाहारी कहने वाले विधायक ने माफी मांगी

कहा- बोलते समय गलती हुई, बयान के खिलाफ भाजपा नेता ने पुलिस में शिकायत की

नई दिल्ली। एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेता और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के उपनेता जितेंद्र आव्हाड़ ने भगवान राम को मांसाहारी कहने के बाद अब अपने बयान पर खेद जताया है। गुरुवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि 22 तारीख (अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख) तक कोई तथ्यों पर तो बात करेगा नहीं, केवल भावनाओं पर बात होगी, इसलिए वे अपने बयान पर खेद व्यक्त करते हैं। हालांकि इस दौरान उन्होंने 1891 में छपी वाल्मीकि रामायण के किसी संस्करण के दूसरे अध्याय अयोध्या कांड के 52वें सर्ग के 102 नंबर (अंतिम) के श्लोक का प्रमाण दिया। उन्होंने दावा किया कि इस श्लोक में राम के मांस खाने का उल्लेख है। उन्होंने कहा कि किताब में जो लिखा है, मैंने बस वही कहा है। जितेंद्र आव्हाड़ ने कहा, फिर भी लोकभावना का आदर करते हुए... मैं खेद व्यक्त करता हूं।

बीजेपी ने की आलोचना

आव्हाड़ के इस बयान के बाद बीजेपी नेता और महाराष्ट्र के पर्यटन, कौशल विकास और उद्यमिता विभाग के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने उनकी आलोचना की है। लोढ़ा ने कहा, भगवान श्रीराम आराध्य और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। आज जब सारी दुनिया अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का आनंद उत्सव मना रही है, तो ऐसी बातें करना गलत है। उनके (जितेंद्र आव्हाड) खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। वे केवल लाइमलाइट में रहने के लिए ऐसी बातें कर रहे हैं।

10 लाख के इनामी हिजबुल कमांडर मट्टू को दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पुलिस की स्पेशल सेल ने जांच एजेंसियों के सहयोग से वोस्ट वांटेड आतंकी जावेद अहमद मट्टू को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि मट्टू आतंकी संगठन हिजबुल का कमांडर है और उसने जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी वारदातों को अंजाम दिया है। गणतंत्र दिवस से पहले इतने खतरनाक आतंकी का गिरफ्तार होना बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।

बड़ी सफलता

आतंकी मट्टू के बारे में कहा जा रहा है कि एनआईए को उसकी तलाश कई दिनों से थी। वह जम्मू के सोपोर का निवासी है और कई बार पाक भी जा चुका है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम और केंद्रीय जांच एजेंसियों के आपसी सामंजस्य से ए ++ श्रेणी के आतंकवादी जावेद अहमद मट्टू को दबोचा गया है। उन्होंने बताया कि उसके सिर पर 10 लाख का इनाम था। आतंकी के पास से एक पिस्टल, मैगनीज और चोरी की हुई कार बरामद हुई है। अधिकारी ने आगे बताया कि, पुलिस रिमांड पर लेने के बाद आगे ऐक्शन लिया जाएगा। वो जम्मू एवं कश्मीर में 5 ग्रेनेड हमले में शामिल था।

रक्षा मंत्रालय ने 802 करोड़ के दो एमओयू साइन किए

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड और बीईएमएल लिमिटेड के साथ 802 करोड़ रुपए की लागत के दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने 697 बोगी ओपन मिलिट्री (बीओएम) वैगनों की खरीद के लिए ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड के साथ 473 करोड़ रुपए तथा 56 मैकेनिकल माइनफील्ड मार्किंग इक्विपमेंट (एमएमएमई) मार्क दो की खरीद के लिए बीईएमएल लिमिटेड के साथ 329 करोड़ रुपए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह खरीद (भारतीय-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत की जाएंगी। इसके लिए ये कंपनियां स्वदेशी इकाईयों से सैन्य उपकरणों और उप-प्रणाली खरीदेंगी जिससे आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करते हुए स्वदेशी विनिर्माण और रक्षा उत्पादन में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा।रिसर्च डिज़ाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा डिजाइन बोगी ओपन मिलिट्री वैगन, भारतीय सेना द्वारा सैन्य इकाइयों को संगठित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले वैगन हैं। बीओएम वैगनों का उपयोग हल्के वाहनों, आर्टिलरी गन, बीएमपी, इंजीनियरिंग

हरियाणा में अवैध माइनिंग मामले में ईडी की छापेमारी

सोनीपत। हरियाणा में गुरुवार को अलग-अलग जगह पर ईडी की टीम ने रेड मारी है। सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार और उनके सहयोगियों के ठिकाने पर ईडी की टीम पहुंची है। ईडी को अवैध माइनिंग को लेकर इनपुट मिल रहे थे, जिसको लेकर गुरुवार को विधायक पंवार और उनके सहयोगियों के घर सुबह ईडी की टीम पहुंची। टीम अवैध माइनिंग और मनी लॉड्रिंग को लेकर दस्तावेज खंगाल रही है। सहयोगियों के ठिकानों पर भी छापेमारी जारी है। छापेमारी में पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय सुरक्षा बल भी मौजूद है। विधायक पंवार और करनाल में पूर्व इनेलो विधायक दिलबाग सिंह के करीब 20 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी जारी है।

भारत की 'तीसरी आंख' से अब चीन का बचना मुश्किल

दिल्ली। इस वक्त भारत दुनिया के नक्शे पर अपनी ताकत का लोहा मनवाने में पीछे नहीं हट रहा है। इसी क्रम में भारत ने एक उपलब्धि हासिल कर ली है। भारत अपनी सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी चीन के ऊपर निगरानी रखने के लिए हाई एल्टिट्यूड वाले प्लेटफ़ॉर्म सिस्टम (एचएपीएस) को आसमानों की ऊंचाई पर स्थापित करने के करीब पहुंच गया है। इसकी मदद से हिमालय की ऊंचाइयों पर चीनी सैनिकों के साथ लगातार होने वाले टकराव में भारत की स्थिति को मजबूत करने के काम आएगा। इससे पहले आईएसआर की खामियों ने भारत को कमजोर साबित किया, जो अब एचएपीएस के आने से खत्म हो जाएगी। हाई एल्टिट्यूड वाले प्लेटफ़ॉर्म सिस्टम (एचएपीएस) ने टेस्टिंग के दौरान लगातार 21 घंटे तक उड़ते रहा. ये भारत के ड्रोन विंगमैन कार्यक्रम का एक हिस्सा है, जो 2024 में अपनी पहली उड़ान भरने वाला है।

आसमान में चीन को भारत की चुनौती

Filmiतड़का

सालार ने फिल्म बाहुबली और जेलर को पछाड़ा

दुनियाभर में 650 करोड़ की कमाई संग बनाया रिकॉर्ड

मुंबई। सुपरस्टार प्रभास की फिल्म सालार ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा कर लिया है। हर दिन ये फिल्म छप्परफाड़ कमाई कर रही है। देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में प्रभास की सालार जबरदस्त कलेक्शन कर रही है। सालार ने कमाई के मामले में रजनीकांत की फिल्म जेलर को भी पीछे छोड़ दिया है. फिल्म ट्रेड एनालिस्ट मनोबाला विजयबालन ने 'सालार' की दुनियाभर में कमाई के लेटेस्ट आंकड़ों की जानकारी शेयर की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है, जिसके मुताबिक सालार ने 13वें दिन दुनियाभर में 11.07 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है. इस तरह फिल्म का अब तक टोटल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 650.41 करोड़ रुपए हो चुका है। सालार ने दुनियाभर में कमाई के मामले में बाहुबली और जेलर के कलेक्शन रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। 650 करोड़ रुपउए के कलेक्शन के साथ सालार ने हाईएस्ट ग्रोसिंग वाली साउथ फिल्मों की लिस्ट में अपनी पांचवीं जगह बना ली है।

कैटरीना और विजय सेतुपति की फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज तैयारी शुरू

मुंबई। अभिनेत्री कैटरीना कैफ और अभिनेता विजय सेतुपति की फिल्म 'मेरी क्रिसमस' नए साल में रिलीज हो रही है। फिल्म का ट्रेलर भी बीते हफ्ते रिलीज हो चुका है। म्यूजिक कंपनी टिप्स फिल्म 'रेस 3' के बाद कोई बड़ी फिल्म लेकर आ रही है तो फिर एक इवेंट तो मुंबई में बनता ही है। सो, नए साल की फिल्मी शुरुआत गुरुवार को हुई फिल्म 'मेरी क्रिसमस' की प्रेस कांफ्रेंस से हुई।

पूरी प्रेस कांफ्रेंस यूं हुई जैसे कि इसकी बाकायदा कोई स्क्रिप्ट लिखी गई हो। एकबारगी तो फिर से व्हाट्सएप खोलकर भी देखना पड़ा कि वाकई निमंत्रण प्रेस कांफ्रेस का ही है या गलती से कोई और कार्यक्रम होना था। प्रेस कांफेंस के न्यौते इन दिनों व्हाट्सएप होते हैं और लिखा पढ़त के इस निमंत्रण में कहीं ऐसी कोई शर्त नहीं लिखी दिखी कि अगर किसी पत्रकार को कैटरीना, विजय सेतुपति या श्रीराम राघवन से कोई सवाल पूछना है तो उसकी जानकारी एक दिन पहले देनी होगी। लेकिन, मामला इस इवेंट में कुछ ऐसा ही नहीं नजर आया। बताया गया कि सवालों का ये सेंसर बोर्ड टिप्स म्यूजिक कंपनी ने लगाया ताकि सवाल वही पूछे जाएं जो दाएं बाएं भटकते हुए न हो या फिर निर्माता, निर्देशक या फिल्म के कलाकारों को कहीं अटकाते हुए न हों।

क्राइस्टचर्च (द कन्वरसेशन)। भविष्य के इतिहासकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के आगमन के लिहाज से 2023 को एक मील का पत्थर मान सकते हैं । लेकिन क्या वह भविष्य काल्पनिक, सर्वनाशकारी या कहीं इसके बीच का साबित होगा, इसका अंदाजा किसी को नहीं है। फरवरी में, चैटजीपीटी ने 10 करोड़ उपयोगकर्ताओं तक पहुंचने वाले सबसे तेज़ ऐप के रूप में रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद गूगल, अमेजन, मेटा और अन्य बड़ी तकनीकी कंपनियों के एआई मॉडल आए, जो सामूहिक रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कई अन्य ज्ञान-गहन क्षेत्रों को बदलने के लिए तैयार हैं। हालाँकि, मई में प्रमुख शोधकर्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित एक बयान में एआई से नुकसान की संभावना को रेखांकित किया गया थाः महामारी और परमाणु युद्ध जैसे अन्य सामाजिक-स्तर के जोखिमों के साथ-साथ एआई से विलुप्त होने के जोखिम को कम करना एक वैश्विक प्राथमिकता होनी चाहिए। नवम्बर में, एआई जोखिम के बारे में बढ़ती चिंता का जवाब देते हुए, 27 देशों (यूके, अमेरिका, भारत, चीन और यूरोपीय संघ सहित) ने सबके हित के लिए एआई के सुरक्षित विकास को सुनिश्चित करने के लिए इंग्लैंड के बैलेचले पार्क में शुरूआती एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन में सहयोग का वादा किया। इसे प्राप्त करने के लिए, शोधकर्ता एआई सरेखण पर ध्यान केंद्रित करते हैं -

एआई की ब्लैक बॉक्स समस्या

यद्यपि एआई सिस्टम की पारदर्शिता और व्याख्या महत्वपूर्ण अनुसंधान लक्ष्य हैं, लेकिन ऐसे प्रयास नवाचार की उन्मत्त गति के साथ बने रहने की संभावना नहीं लगते हैं। ब्लैक बॉक्स रूपक बताता है कि एआई के बारे में लोगों की मान्यताएँ पूरी दुनिया में ऐसी क्यों हैं। भविष्यवाणियाँ कल्पना से लेकर विलुप्त होने तक होती हैं, और कई लोग तो यह भी मानते हैं कि कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता (एजीआई) जल्द ही चेतना प्राप्त कर लेगी।लेकिन यह अनिश्चितता समस्या को बढ़ा देती है। एआई सरेखण दोतरफा होना चाहिएः हमें न केवल यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एआई मॉडल मानवीय इरादों के अनुरूप हों, बल्कि यह भी कि एआई के बारे में हमारी मान्यताएं सटीक हों। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम उन मान्यताओं के अनुरूप भविष्य बनाने में उल्लेखनीय रूप से माहिर हैं, भले ही हम उनसे अनजान हों। तथाकथित 'प्रत्याशा प्रभाव', या खुद को तसल्ली देने वाली भविष्यवाणियाँ, मनोविज्ञान में अच्छी तरह से जानी जाती हैं।

एआई का करें बुद्धिमानी से उपयोग

ऐसा करके इसकी वास्तविक प्रकृति और अपने दिमाग को जान सकते हैं

एआई, गणना, तर्क और अंकगणित

हमें एआई के आधार को समझने के लिए और अधिक गहराई से जांच करने की आवश्यकता है - ऐलिस इन वंडरलैंड की तरह, खरगोश के बिल के नीचे जाएं और देखें कि यह हमें कहां ले जाता है। सबसे पहले, एआई क्या है? यह कंप्यूटर पर चलता है, और इसी तरह स्वचालित गणना भी होती है। 'परसेप्ट्रॉन' के रूप में इसकी उत्पत्ति से - 1943 में न्यूरोफिज़ियोलॉजिस्ट वॉरेन मैककुलोच और तर्कशास्त्री वाल्टर पिट्स द्वारा गणितीय रूप से परिभाषित एक कृत्रिम न्यूरॉन - एआई को संज्ञानात्मक विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान और कंप्यूटर विज्ञान के साथ जोड़ा गया है।मन, मस्तिष्क और मशीनों के इस अभिसरण ने व्यापक रूप से प्रचलित धारणा को जन्म दिया है कि, क्योंकि एआई मशीन द्वारा गणना है, तो प्राकृतिक बुद्धि (दिमाग) की गणना मस्तिष्क द्वारा की जानी चाहिए।

प्रोमेथियन आग

एआई के लिए निहितार्थ क्या हैं? सबसे पहले, एआई कोई दिमाग नहीं है और यह कभी भी संवेदनशील नहीं बनेगा। यह विचार कि हम अपनी जैविक प्रकृति को पार कर सकते हैं और अपने दिमाग को क्लाउड पर अपलोड करके अमरता प्राप्त कर सकते हैं, केवल कल्पना है।फिर भी यदि मन के सिद्धांत जिस पर एआई आधारित है, पूरी मानवता (और संभवतः अन्य जीवित प्राणियों) द्वारा साझा किया जाता है, तो हमारे व्यक्तिगत दिमाग की सीमाओं को पार करना संभव हो सकता है।क्योंकि गणना सार्वभौमिक है, हम अपनी बढ़ती हुई आभासी और भौतिक दुनिया में अपने द्वारा चुने गए किसी भी परिणाम का अनुकरण और निर्माण करने के लिए स्वतंत्र हैं।

धारणा की गहरी संरचना

इसलिए, गणना गणितीय विचारों पर आधारित है जो तर्क में अंकगणित को परिभाषित करने के प्रयासों पर आधारित है। लेकिन अंकगणित का हमारा ज्ञान तर्क से भी पहले मौजूद है। यदि हम एआई के आधार को समझना चाहते हैं, तो हमें आगे जाकर पूछना होगा कि अंकगणित कहां से आता है। अंकगणित धारणा की ''गहरी संरचना'' पर आधारित है। यह संरचना रंगीन चश्मे की तरह है जो हमारी धारणा को विशेष तरीकों से आकार देती है, ताकि दुनिया का हमारा अनुभव व्यवस्थित और प्रबंधनीय हो। अंकगणित में तत्वों (संख्याओं) और संक्रियाओं (जोड़, गुणा) का एक सेट होता है जो तत्वों के जोड़े को जोड़कर एक और तत्व देता है। हमने पूछाः सभी संभावनाओं में, संख्याएँ तत्व क्यों हैं, और जोड़ और गुणा संक्रियाएँ क्यों हैं? हमने गणितीय प्रमाण द्वारा दिखाया कि जब धारणा की गहरी संरचना को संभावनाओं को सीमित करने के लिए माना गया था, तो अंकगणित इसका परिणाम था।

मखौड़ा धाम में पुत्रेष्टि यज्ञ की खीर खाने के बाद हुआ था

श्रीराम का जन्म

बस्ती (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में मनवर ' मनोरमा नदी' के किनारे स्थित मखधाम मखौड़ा में गुरु वशिष्ठ की आज्ञा से त्रेता युग में अयोध्या के चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ के द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ किया गया था । इस यज्ञ से प्राप्त खीर को खाने के बाद मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न का जन्म हुआ था, आज भी यहां पुत्र प्राप्ति के लिए प्रार्थना और यज्ञ किया जाता है।

पौराणिक मान्यता है कि जब चक्रवर्ती सम्राट महाराजा दशरथ द्वारा पुत्रेष्टि यज्ञ किया जा रहा था तब मनवर ' मनोरमा नदी' मे घी की धारा प्रवाहित हो रही थी। बस्ती के मखधाम ' मखौड़ा' की भूमि को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्म प्रसंग का निमित्त बनने का गौरव प्राप्त है, अयोध्या को पूरा विश्व भगवान राम की जन्मस्थली के रूप में जानती है लेकिन भगवान श्रीराम की उद्भव स्थली बस्ती जनपद में स्थित मखधाम 'मखौड़ा' है।

परशुरामपुर क्षेत्र में मनवर यानी मनोरमा नदी के किनारे स्थित मखौड़ा धाम ही वह पवित्र स्थान है जहां राजा दशरथ ने पुत्रेष्टि यज्ञ कराया था। मखौड़ा धाम में जिस जगह राजा दशरथ का यज्ञ संपन्न हुआ तो यज्ञ कुंड से अग्निदेव स्वंय खीर का पात्र लेकर प्रकट हुए। इस खीर को राजा ने तीनों रानियों को बांट दिया। खीर खाने के कुछ दिन बाद माता कौशल्या के गर्भ से भगवान श्रीराम, माता कैकई के गर्भ से भरत और माता सुमित्रा के गर्भ से लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। यज्ञ का स्थान आज भी संरक्षित है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए पहुंचते है। पौराणिक महत्व की यह जगह श्रद्धालुओं के लिए आज भी बेहद खास है। गुरु वशिष्ठ ने श्रृंगी ऋषि से यज्ञ कराने की सलाह दी थी। श्रृंगी ऋषि का आश्रम स्थल आज श्रीगिनारी के रूप में जाना जाता है आज भी लोग संतान प्राप्ति के लिए यहां यज्ञ करते है और उनकी मनोकामना पूरी होती है। इतना ही नहीं अयोध्या की चैरासी कोसी परिक्रमा देश व दुनिया के साधु-संत मखौड़ा से ही शुरू करते है। पुरातन काल से ही मखधाम से 84 कोसी परिक्रमा चैत्र माह की पूर्णिमा से शुरू होकर यहीं समाप्त होती है ।

मैं म्यूजिक इंडस्ट्री में कभी नहीं लौटूंगी

ब्रिटनी स्पीयर्स

लॉस एंजेल्स (आईएएनएस)। अमेरिकी पॉप स्टार ब्रिटनी स्पीयर्स ने सोशल मीडिया पोस्ट में उन अफवाहों को खारिज कर दिया है जहां कहा जा रहा था कि वह एक नए एल्बम पर काम कर रही हैं। पॉप स्टार ने साफ किया कि वह म्यूजिक इंडस्ट्री में कभी भी वापस नहीं आएंगी। पॉप स्टार उन रिपोर्टों का जवाब दे रही थी जो बुधवार की सुबह पेज सिक्स पर सामने आई थीं कि स्पीयर्स संभावित रूप से एक रिकॉर्ड के लिए चाली एक्ससीएक्स और लेखिका जूलिया माइकल्स को टैप कर रही थीं। स्पीयर्स ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, वह कहते हैं कि मैं एक नया एल्बम बनाने की ओर रुख कर रही हूं, मैं म्यूजिक इंडस्ट्री में कभी नहीं लौटूंगी। जब मैं लिखती हूं, तो मनोरंजन के लिए लिखती हूं या अन्य लोगों के लिए लिखती हूं। आपमें से जिन लोगों ने मेरी किताब पढ़ी है, उनके लिए ऐसा बहुत कुछ है जो आप मेरे बारे में नहीं जानते, मैंने पिछले दो वर्षों में अन्य लोगों के लिए 20 से अधिक गीत लिखे हैं।

अमला की पहली शादी डायरेक्टर ए.एल. विजय से हुई थी और 2017 में उनका तलाक हो गया। अमला, जिनके 5.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं

अमला पॉल

ने शादी के 2 महीने बाद किया प्रेग्नेंसी का ऐलान

मुंबई (आईएएनएस)। एक्ट्रेस अमला पॉल और उनके पति जगत देसाई ने घोषणा की है कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने अपने प्रेग्नेंसी फोटोशूट की कुछ तस्वीरें साझा की। कपल ने नवम्बर 2023 में केरल के कोच्चि में शादी की थी। अमला की पहली शादी डायरेक्टर ए.एल. विजय से हुई थी और 2017 में उनका तलाक हो गया। अमला, जिनके 5.2 मिलियन फॉलोअर्स हैं, ने इंस्टाग्राम पर अपने मैटरनिटी शूट की कुछ तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में वह रेड हॉल्टर नेक क्रॉप टॉप और मैचिंग थाई-हाई स्लिट स्कर्ट में नजर आ रही हैं। अमला बीच पर पोज देते हुए अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट कर रही हैं। पोस्ट को कैप्शन दिया गया, हम जल्द ही एक और एक से तीन होने वाले हैं! एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने पोस्ट पर कमेंट किया और कहाः आप दोनों को बहुत-बहुत बधाई...ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद। फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने कमेंट किया, बधाई हो!

बेटी आइरा की शादी में आमिर खान ने पूर्व पत्नी किरण राव को चूमा

मुंबई,(आईएएनएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की बेटी आइरा खान ने 3 जनवरी को ब्वॉयफ्रेंड नूपुर शिखरे के साथ शादी की। इस उत्सव के दौरान आमिर खान ने अपनी एक्स वाइफ किरण राव को चूमा। सेरेमनी का एक वीडियो हाल ही में सामने आया, जिसमें नवविवाहित जोड़े के दोनों पक्षों के परिवार एक साथ फोटो क्लिक कराने के लिए पोज देते रहे। नुपुर शिखरे की मां, आमिर खान, रीना दत्ता, किरण राव, जुनैद खान और आजाद को भी आइरा और नुपुर के साथ पोज देते देखा जा सकता है। वीडियो में बॉलीवुड सुपरस्टार पहले अपनी एक्स वाइफ किरण से कुछ कहते हैं और फिर उनके गाल पर किस करते हैं। आइरा और नुपुर ने बुधवार को दोस्तों और परिवार वालों की मौजूदगी में रजिस्टर्ड मैरिज की। जहां आइरा अपने खास दिन पर बेहद खूबसूरत लग रही थीं, वहीं नुपुर की कॉस्ट्यूम ने लोगों के लिए चौंका दिया। नुपुर, जो एक फिटनेस ट्रेनर हैं, ने घोड़े की पारंपरिक पसंद को छोड़, शॉर्ट्स और बनियान

पहनकर जॉगिंग करते हुए बारात लेकर पहुंचे। उन्होंने आठ किलोमीटर तक दौड़ लगाई। नुपुर शिखरे ने 2022 में आइरा को प्रपोज किया था। वह आइरा और आमिर के ऑफिशियल फिटनेस ट्रेनर हैं।

पेरू में इंज्वाय कर रहीं प्रीति जिंटा

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा फिलहाल पेरू में छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने अपने पति जीन गुडइनफ के साथ रोमांटिक तस्वीरें भी शेयर की। प्रीति और जीन ने फरवरी 2016 में अमेरिका में शादी की थी। वह तब से लॉस एंजेल्स में रह रही हैं। नवम्बर 2021 में, प्रीति और जीन ने सरोगेसी के जरिए अपने जुड़वां बच्चों, बेटा जय और बेटी जिया का स्वागत किया। एक्टिंग की बात करें तो, प्रीति को अब से पहले फिल्म 'भैयाजी सुपरहिट' में देखा गया था। 5 साल के अंतराल के बाद उन्होंने फिल्मों में वापसी की थी।

फिटनेस को लेकर ऋतिक के फैन बन गए हैं

अक्षय ओबेरॉय

मुंबई(आईएएनएस)। आगामी फिल्म 'फाइटर' में अभिनय करने वाले अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने कहा कि फिल्म के जरिए मुझे फिटनेस आइकन और स्टार ऋतिक रोशन के साथ जुड़ने का मौका मिला। अक्षय ने कहा, मैं छोटी उम्र से ही फिटनेस का शौकीन रहा हूं, लेकिन 'फाइटर' में ऋतिक के साथ काम करने से मुझे फिटनेस और स्वस्थ शरीर बनाए रखने का एक नया नजरिया मिला।उन्होंने कहा, ऋतिक बॉलीवुड में एक सच्चे फिटनेस आइकन हैं, और एक ही प्रोजेक्ट पर काम करने से दो फिटनेस प्रेमी एक साथ आए हैं। फिटनेस के प्रति उनका समर्पण और जुनून वास्तव में प्रेरणादायक है। अपनी स्वस्थ जीवन शैली के प्रति प्रतिबद्धता के लिए ऋतिक, अक्षय के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति बन गए हैं। अक्षय ने ऋतिक के साथ काम करने के परिवर्तनकारी प्रभाव को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, मेरे सह-अभिनेता से मिली प्रेरणा ने मुझे एक फिट जीवन जीने का नया दृष्टिकोण दिया है।

आरती सिंह

ने बताया नए साल का अपना मंत्र

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री आरती सिंह ने इंस्टाग्राम पर अपने नए साल की तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि वर्ष 2024 के लिए उनका मंत्र 'मौन' रहना है। अभिनेत्री नए साल का जश्न मनाने के लिए कश्मीर के गुलमर्ग में थीं। 'मायका' , 'उतरन' , 'देवों के देव महादेव' जैसे शो में अपने काम के लिए जानी जाने वाली आरती ने अपने इंस्टाग्राम पर अपना हॉलिडे एल्बम को शेयर किया, जिसमें वह सुरम्य कश्मीर के बर्फ से ढके पहाड़ों के सामने पोज देती हुई देखी जा सकती हैं। आरती ने एक रील भी शेयर की, जिसमें वह गुलाबी स्विमिंग सूट में तैर रही हैं। वीडियो में कहा गया है, अब इस नए साल में एक काम तो करना है। मुझे अपने सुकून के साथ कोई समझौता नहीं करना। जो गलतियां हो गई उन्हें दोबारा नहीं करना। अपने पर काम करना है। वीडियो को कैप्शन दिया गया , रील नए साल के नए लक्ष्य कहती है। इस साल मौन रहना ही मेरा मंत्र है।

सोनम कपूर को बिना क्रैश डाइट

फिट होने में लगे 16 महीने

मुंबई (आईएएनएस)। अभिनेत्री सोनम कपूर ने खुलासा किया कि अगस्त 2022 में उनके बेटे वायु कपूर आहूजा के जन्म के बाद उन्हें फिर से पहला जैसा होने में 16 महीने लग गए। सोनम ने बताया कि मुझे फिर से पहले जैसा महसूस करने में 16 महीने लग गए। सोनम ने कहा कि उन्होंने कोई क्रैश डाइट फॉलो नहीं की। अभिनेत्री ने कहा, धीरे-धीरे बिना किसी क्रैश डाइट और वर्कआउट के निरंतर स्वयं और शिशु की देखभाल करते हुए यह सब किया। मैं अपने शरीर के लिए बहुत आभारी हूं। उन्होंने यह भी कहा, एक महिला होना एक अद्भुत बात है।

ब्रीफ न्यूज

फॉर्मूला वन रेसर विल्सन को पड़ा दिल का दौरा

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व फॉर्मूला वन ड्राइवर और फॉर्मूला वन टीम के मालिक विल्सन फिटिपाल्डी जूनियर को क्रिसमस के दिन उनके 80वें जन्मदिन की डिनर पार्टी के दौरान दिल का दौरा पड़ा। ब्राजील के दो बार के फॉर्मूला वन वर्ल्ड चैंपियन इमर्सन फिटिपाल्डी के भाई विल्सन ने क्रिसमस दिवस पर अपना 80वां जन्मदिन मनाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि रात के खाने के दौरान, मांस के एक टुकड़े से उनका दम घुट गया और लंबे समय तक उन्हें ऑक्सीजन नहीं मिली, जिसके बाद उन्हें 'कार्डियक अरेस्ट' हुआ।

आरोन फिंच ने लिया बिग बैश लीग से संन्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ 13 सीजन खेलने के बाद बिग बैश लीग बीबीएल से संन्यास की घोषणा की। मेलबर्न रेनेगेड्स ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मेलबोर्न रेनेगेड्स के दिग्गज आरोन फिंच अपने अविश्वसनीय बिग बैश करियर को अलविदा कह रहे हैं और यह घोषणा कर रहे हैं कि यह बीबीएल 13 सीजन उनका आखिरी सीजन होगा।

डी सिल्वा होंगे श्रीलंका टेस्ट टीम के नए कप्तान

कोलंबो। धनंजय डी सिल्वा को दिमुथ करुणारत्ने की जगह श्रीलंका की टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। श्रीलंका के मुख्य चयनकर्ता उपुल थरंगा ने धनंजय डी सिल्वा टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने की घोषणा की।

भारत ने अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराया

जोहान्सबर्ग। नमन तिवारी के चार विकेट और उसके बाद आदर्श सिंह की नाबाद 52 रनों की अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारत ने अंडर-19 टूर्नामेंट के वनडे मुकाबले में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हरा दिया है। नमन के कहर के आगे अफगानिस्तान की पूरी टीम 33 ओवर में 88 रन पर सिमट गई। भारत ने 12.1 ओवर में एक विकेट पर 92 रन बनाकर मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया।

क्रिकेट: नेगी के धमाल से जीता डीसीसी-2

भोपाल, खेल संवाददाता। एमसीसी खेल मैदान पर आयोजित टेनिस बॉल रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हो गई है। प्रतियोगिता का शुभारंभ मैच डीसीसी-2 और बाबड़िया इलेवन के बीच हुआ। जिसमें डीसीसी-2 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आयुष नेगी के 58 रन की मदद से निर्धारित 8 ओवर में 128 रन बनाए। बाबड़िया इलेवन की टीम निर्धारित ओवर में 74 रन ही बना सकी और 54 रन से मैच हार गई। डीसीसी-2 के आयुष नेगी को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

ट्रेक्शन टाइगर ने जीता ऐबु कप क्रिकेट खिताब

भेल। 28 दिनों तक चले ऐबु कप 2023 सीजन-4 क्रिकेट प्रतियोगिता के रोमांचक फाइनल मुकाबले में ट्रेक्शन टाइगर ने यूएचवी ब्लास्टर्स को 28 रनों से हरा दिया। ट्रेक्शन टाइगर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मिथिलेश तिवारी के 63 रनों की बदौलत 10 ओवर में 110 का रनों का स्कोर खड़ा किया। यूएचवी ब्लास्टर्स की ओर से नानी गोपाल ने 2 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में यूएचवी ब्लास्टर्स 10 ओवर में 84 रन ही बना सकी। ट्रेक्शन टाइगर के मिथिलेश तिवारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। ऐबु कप के फाइनल मैच में भोजपाल महोत्सव मेला समिति के अध्यक्ष सुनील यादव अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।

---

108 ओवर ही फेंके गए, 1-1 से बराबरी पर सीरीज समाप्त, केप टाउन में पहली जीत

साउथ अफ्रीका का दो दिन में काम तमाम, भारत ने जीता

147 साल के टेस्ट इतिहास का सबसे छोटा मुकाबला

● केप टाउन

भारत ने साउथ अफ्रीका को दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से हरा दिया। दोनों टीमें 4 पारियां मिलाकर भी 107 ओवर ही बैटिंग कर सकीं। ये 147 साल के टेस्ट इतिहास का सबसे छोटा मुकाबला रहा, जिसमें नतीजा निकला। रोहित शर्मा साउथ अफ्रीका में टेस्ट जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने। केप टाउन में गुरुवार को साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी, लेकिन टीम 55 रन पर ही ऑलआउट हो गई। भारत भी अपनी पहली पारी में 153 रन ही बना सका, हालांकि टीम को 98 रन की बढ़त मिली। साउथ अफ्रीका अपनी दूसरी पारी में 176 रन ही बना सका। टीम 78 रन से आगे रही, इसलिए भारत को 79 रन का टारगेट मिला। टीम इंडिया ने इसे दूसरे सेशन के 12 ओवर में ही 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

ओवर के हिसाब से सबसे छोटा टेस्ट

ओवर फेंके जाने के हिसाब से ये इतिहास का सबसे छोटा टेस्ट मैच रहा, जिसमें नतीजा निकला। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीका ने 60.1 (36.5 और 23.2) ओवर बैटिंग की, जबकि भारत ने 46.5 (34.5 और 12) ओवर बैटिंग की। यानी मैच 107 ओवर में ही खत्म हो गया। इससे पहले सबसे छोटे टेस्ट का रिकॉर्ड 1932 में बना था। तब मेलबर्न में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट महज 109.2 ओवर चला था। इस मुकाबले में 656 गेंदें फेंकी गई थीं, इसे ऑस्ट्रेलिया ने पारी और 72 रन से जीता था। जबकि भारत और साउथ अफ्रीका के बीच मुकाबले में 642 गेंदें ही फेंकी गईं।

5 दिन भी नहीं चले 2 टेस्ट

साउथ अफ्रीका और भारत के बीच 2 टेस्ट की सीरीज में 5 दिन का भी खेल नहीं हुआ। पहला टेस्ट 3 दिन तक चला, इसे साउथ अफ्रीका ने पारी और 32 रन से जीता, जबकि दूसरा टेस्ट एक दिन और दूसरे सेशन में ही खत्म हो गया, इसे भारत ने 7 विकेट से जीता। यानी दोनों मुकाबले मिलाकर भी 5 दिन का खेल पूरा नहीं हो सका। पहले टेस्ट में 210.3 ओवर और दूसरे में 108 ओवर फेंके गए। यानी 2 टेस्ट मैच 318.3 ओवर में खत्म हो गए। टेस्ट के एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं, अगर इस हिसाब से देखें तो टेस्ट सीरीज में साढ़े 3 दिन के ओवर ही फेंके जा सके, क्योंकि 4 दिन में भी कुल 360 ओवर की बॉलिंग होती है।

स्कोर बोर्ड

साउथ अफ्रीका पहली पारी: 55 रन पर ऑलआउट,
भारत पहली पारी: 153 रन पर ऑलआउट,

साउथ अफ्रीका दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
मारक्रम कै.रोहित बो.सिराज	106	103	17	2
डीन एल्गर कै.कोहली बो.मुकेश	12	28	2	0
टोनी डीज़ॉज़ी कै.राहुल बो.मुकेश	1	7	0	0
ट्रिस्टन स्टब्स कै.राहुल बो.बुमराह	1	14	0	0
बेडिंघम कै.राहुल बो.बुमराह	11	12	2	0
वेरेन कै.सिराज बो.बुमराह	9	7	1	0
यानसन कै. एंड बो.बुमराह	11	9	2	0
महाराज कै.श्रेयस बो.बुमराह	3	4	0	0
रबाडा कै.रोहित बो.कृष्णा	2	12	0	0
बर्गर नाबाद	6	20	1	0
एनगिडी कै.जायसवाल बो.बुमराह	8	10	0	0

अतिरिक्त: 6, **कुल:** 36.5 ओवर में 176 रन पर ऑलआउट,
विकेट पतन: 1-37, 2-41, 3-45, 4-66, 5-85, 6-103, 7-111, 8-162, 9-162, 10-176, **गेंदबाज़ी:** जसप्रीत बुमराह 13.5-0-61-6, मोहम्मद सिराज 9-3-31-1, मुकेश 10-2-56-2, प्रसिद्ध कृष्णा 4-1-27-1.

भारत दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल कै.स्टब्स बो.बर्गर	28	23	6	0
रोहित शर्मा नाबाद	16	22	2	0
शुभमन गिल बो.रबाडा	10	11	2	0
विराट कोहली कै.वेरेन बो.यानसन	12	11	2	0
श्रेयस अय्यर नाबाद	4	6	1	0

अतिरिक्त: 10, **कुल:** 12 ओवर में 80/3, **विकेट पतन:** 1-44, 2-57, 3-75, **गेंदबाज़ी:** कगिसो रबाडा 6-0-33-1, नांद्रे बर्गर 4-0-29-1, मार्को यानसन 2-0-15-1.

केप टाउन में भारत ने पहली बार टेस्ट जीता

केप टाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में भारत ने पहली बार कोई टेस्ट जीता। टीम ने यहां 7 टेस्ट खेले, भारत को 4 में हार मिली, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ भी रहे। भारत ने यहां पहला टेस्ट 1993 में खेला था। रोहित शर्मा केप टाउन टेस्ट जीतने वाले पहले एशियन कप्तान बने। केप टाउन में उनसे पहले अब तक कोई भी एशियन टीम टेस्ट नहीं जीत सकी थी।

भारत ने साउथ अफ्रीका में 14 साल बाद सीरीज ड्रॉ कराई

दूसरा टेस्ट जीतने के साथ ही 2 टेस्ट की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई। साउथ अफ्रीका ने पहला टेस्ट पारी और 32 रन से जीता था। रोहित शर्मा साउथ अफ्रीका में टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराने वाले दूसरे भारतीय कप्तान बने। इससे पहले 2010 में महेंद्र सिंह धोनी ने भी 3 टेस्ट की सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराई थी। इसके साथ ही रोहित साउथ अफ्रीका में कोई टेस्ट जीतने वाले चौथे भारतीय कप्तान बने। उनसे पहले एमएस धोनी, राहुल द्रविड़ और विराट कोहली ही यहां भारत को टेस्ट जिता सके थे। धोनी और द्रविड़ ने 1-1 टेस्ट जिताया, जबकि कोहली की कप्तानी में भारत ने 2 टेस्ट जीते हैं।

भारत बना सबसे ज्यादा 58 मैदानों पर टेस्ट जीतने वाला देश

केप टाउन के स्टेडियम में जीत के साथ भारत दुनिया में सबसे ज्यादा मैदानों पर टेस्ट जीतने वाला देश बन गया। टीम ने ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 57 मैदानों पर टेस्ट जीते हैं। भारत ने केप टाउन टेस्ट में जीत के साथ 58वें मैदान पर जीत दर्ज की।

करियर का आखिरी टेस्ट मैच हारे डीन एल्गर

साउथ अफ्रीका से दूसरे टेस्ट में डीन एल्गर कप्तानी कर रहे थे। रेगुलर कप्तान टेम्बा बावुमा इंजरी के कारण मैच नहीं खेल सके। एल्गर ने सीरीज से पहले ही अपने रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। दूसरे टेस्ट में एल्गर 4 और 12 रन की पारियां ही खेल सके। यह उनके करियर का आखिरी मुकाबला था।

केपटाउन टेस्ट पर बोले सहवाग...

आप करो तो चमत्कार, हम करें तो...

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी वीरेंद्र सहवाग ने केपटाउन टेस्ट मात्र 107 ओवर में खत्म होने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। सहवाग ने एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में कहा है - आप करो तो चमत्कार, हम करें तो पिच बेकार, 107 ओवर में टेस्ट खत्म... इसी पोस्ट में सहवाग ने जसप्रीत बुमराह और सिराज की तारीफ करते हुए कहा कि ये टेस्ट साबित करता है कि भारत की तेज गेंदबाजी बेहद घातक है। बुमराह और सिराज का खेल शानदार था। 2024 की ये बेहतरीन शुरुआत थी।

फेंकी गई गेंदों के अनुसार सबसे कम समय में पूरा किया गया टेस्ट मैच

▶▶ 642	दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत केप टाउन	2024
▶▶ 656	ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका मेलबर्न	1932
▶▶ 672	वेस्टइंडीज बनाम इंग्लैंड ब्रिजटाउन	1935
▶▶ 788	इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया मैनचेस्टर	1888
▶▶ 792	इंग्लैंड बनाम ऑस्ट्रेलिया लॉर्ड्स	1888

केपटाउन में टेस्ट जीतने वाली पहली एशियाई टीम

भारत न्यूलैंड्स केपटाउन में टेस्ट मैच जीतने वाली पहली एशियाई टीम है। केप टाउन टेस्ट में दोनों टीमों ने नतीजा निकलने तक 464 रन बनाए जोकि भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टेस्ट इतिहास का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले 2015 में नागपुर में खेले गए मुकाबले के दौरान सिर्फ 652 रन ही बने थे।

केपटाउन में 31 साल बाद जीता भारत

- ☐ 1993 टेस्ट रहा ड्रॉ
- ☐ 1997 दक्षिण अफ्रीका 282 रन से जीता
- ☐ 2007 दक्षिण अफ्रीका पांच विकेट से जीता
- ☐ 2011 टेस्ट रहा ड्रॉ
- ☐ 2018 दक्षिण अफ्रीका 272 रन से जीता
- ☐ 2022 दक्षिण अफ्रीका सात विकेट से जीता
- ☐ 2024 भारत सात विकेट से जीता

बास्केटबॉल में 22 बैच की टीम ने 23 बैच की टीम को हराया

मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स खेल महोत्सव

भोपाल (खेल संवाददाता) मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के तीनों आयुर्वेदिक कॉलेजों की टीमें लीग मैच के चौथे दिन पूरे जोश के साथ मैदान में उतरीं। इस दौरान मानसरोवर आयुर्वेदिक कॉलेज, श्री साईं कॉलेज ऑफ आयुर्वेदा और फैकल्टी ऑफ आयुर्वेदा मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी की 22 बैच और 23 बैच की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें 22 बैच की टीम ने 23 को 29 प्वाइंट से शिकस्त दी। बास्केटबॉल में 22 बैच की टीम का स्कोर 45 और 23 बैच का स्कोर 16 रहा। सबसे ज्यादा 22 थ्रो वैभव ने किए। टीम के रेफरी देवेन्द्र और सचिन रहे। टेबल टेनिस के कुल 13 लीग मैच हुए, जिसमें अंतिम दो मैच के विजेता मोइन खान और शिवांशु रहे। गर्ल्स टेबल टेनिस सेमिफाइनल में मुस्कान सोनी और लविशा अगले राउंड के पहुंचीं। चौथे दिन मानसरोवर के मैदान में बास्केटबॉल, क्रिकेट, कबड्डी, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, खो-खो, कैरम आदि मैच खेले गए।

वुमेन्स क्रिकेट में कर्ण की जीत : वुमेन्स क्रिकेट के अंतिम मैच में कर्ण और टाइटन्स के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें कर्ण ने 3 ओवर में 24 रन का लक्ष्य प्राप्त कर टाइटन्स को शिकस्त दी। वहीं मेन्स क्रिकेट के थर्ड मैच में चाणक्य वर्सेस अश्वत्थामा के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें अश्वत्थामा ने 74 रन बनाकर चाणक्य को 6 रनों से हराया। वहीं चौथे मैच में बुल्स ने 75 रन बनाकर अभिमन्यू को 5 रनों से शिकस्त दी।

ऑस्ट्रेलिया-पाक तीसरे टेस्ट में बारिश का खलल

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन गुरुवार को बारिश के कारण खेल रोके जाने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में दो विकेट पर 116 रन बना लिए हैं और वह पाकिस्तान पहली पारी के आधार पर 197 रन पीछे है। सिडनी में मैच के दूसरे दिन झमाझम बारिश हुई और एक बार खेल रोके जाने के बाद दोबारा शुरू ही नहीं हो सका। खेल रोके जाने के समय स्टीव स्मिथ छह रन और मार्नश लाबुशेन 23 रन पर नाबाद थे। मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका डेविड वॉर्नर 34 रन के रूप में लगा। वॉर्नर को आगा सलमान की गेंद पर बाबर आजम ने कैच आउट किया। उनके बाद उस्मान ख्वाजा भी 47 रन बनाकर आउट हो गए। पहले दिन बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और दोनों सलामी बल्लेबाज अब्दुल्लाह शफीक और सैम अयूब खाता नहीं खोल पाए।

अब टीवी अंपायर स्टंपिंग की अपील पर नहीं करेंगे कॉट बिहाइंड का रीव्यू

आईसीसी ने नियमों में किए कुछ बदलाव

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने नियमों में कुछ बदलाव किया है, जिसके तहत अब टीवी अंपायर, स्टंपिंग की अपील पर कॉट बिहाइंड का रीव्यू नहीं करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष 12 दिसंबर से प्रभावी हुए नियमों के तहत अब विकेटकीपर के बेल्स गिराने के बाद अगर टीम कॉट बिहाइंड के लिए रीव्यू लेना चाहती है तब उसे अलग से डीआरएस की अपील करनी होगी। वर्ष 2023 की शुरुआत में भारत के खिलाफ श्रृंखला में कई बार ऐसा हुआ था कि ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स केरी स्टंप की अपील करते और टीवी अंपायर कॉट बिहाइंड को भी रीव्यू करते थे। इसके कारण गेंदबाजी कर रही टीम को रीव्यू लेने की जहमत नहीं उठानी पड़ती थी और अंपायर यह भी चेक करते थे कि गेंद बल्ले से लगकर गई है या नहीं। हालांकि अब स्टंप की अपील पर टीवी अंपायर केवल साइड ऑन कैमरा का उपयोग करते हुए यह जांचेंगे कि बल्लेबाज स्टंप आउट है या नहीं।

इन नियमों में भी हुआ बदलाव

आईसीसी ने कनकशन सब्स्टीट्यूशन के नियम के अनुसार अगर खिलाड़ी को गेंदबाजी से रोका गया हो तो उसके स्थानापन्न खिलाड़ी को भी गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं मिलेगी।

अंडर-19 सॉफ्ट क्रिकेट में मप्र फिर चैंपियन

भोपाल (खेल संवाददाता)। मथुरा (उत्तर प्रदेश) हरीश राघव क्रिकेट एकेडमी खेल मैदान में आयोजित सॉफ्ट क्रिकेट राष्ट्रीय प्रतियोगिता अंडर-19 बालक वर्ग में एलएनसीटी फार्मेसी के अनुपम गुजरे की कप्तानी में लगातार तीसरी बार चैंपियन बनी। फाइनल मुकाबला झारखंड और मध्य प्रदेश के बीच खेला गया। जिसमें झारखंड ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 5 विकेट पर 50 रन बनाए। मप्र की ओर से नीरज और अनुपम ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में मप्र की टीम ने 51 रनों के लक्ष्य को 7.3 ओवर में 7 विकेट पर हासिल कर लिया। इसमें नीरज ने सर्वाधिक 20 रन बनाए। नीरज को मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार दिया गया। मप्र की टीम में नीरज, अनुपम, प्रीत, यश, उदित, अंकित, मोहित, राज काले, विजयपाल आदि शामिल थे। विजेता टीम को डॉक्टर अनुपम चौकसे अध्यक्ष, सॉफ्ट क्रिकेट एसोसिएशन मध्य प्रदेश, पंकज जैन स्पोर्टस डायरेक्टर एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल, आरके शर्मा डायरेक्टर ड्रॉप रोबॉल एसोसिएशन मध्यप्रदेश, सत्येंद्र सिंह सिवाच सचिव, बेसबॉल सॉफ्टबॉल एसोसिएशन मध्य प्रदेश, महेश सोंधिया सचिव सॉफ्ट क्रिकेट एसोसिएशन मध्य प्रदेश ने बधाई दी है।

ऑल इंडिया बॉक्सिंग में सौरव को मिला कांस्य

भोपाल, (खेल संवाददाता)। मोहाली में हुई ऑल इंडिया बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में सौरव यादव ने 92 किग्रा भारवर्ग में अपने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पंजाब व हरियाणा यूनिवर्सिटी के मुक्केबाजों को पछाड़कर कांस्य पदक जीता।

वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी

नॉकआउट के तीसरे राउंड में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की धमाकेदार जीत

आरएनटीयू ने शिवाजी यूनिवर्सिटी को 9-3 से दी शिकस्त

● भोपाल, खेल संवाददाता

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और खेल एवं युवा कल्याण विभाग मध्यप्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी (मेन्स) टूर्नामेंट का आयोजन भोपाल के ध्यानचंद स्टेडियम में किया जा रहा है, जिसमें महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात की 54 विश्वविद्यालयों की टीमें हिस्सा ले रही हैं।

गुरुवार को तीसरे राउंड के नॉकआउट मुकाबले खेले गए। इसमें प्रमुख मुकाबलों में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू), यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा, गोविंद गुरु ट्राइबल यूनिवर्सिटी, गोवा यूनिवर्सिटी ने अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। ये सभी मुकाबले ध्यानचंद स्टेडियम में खेले गए। इस दौरान इंडियन बैंक के आरआई हैड मप्र एवं छत्तीसगढ़ एससी होता, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की असिस्टेंट डायरेक्टर वाणी साहू, डीएसओ भोपाल रूबीका दीवान, डॉ. विकास खराड़कर, एयरटेल के स्टेट हैड अंकुर बंसल, सिटी हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. अंजू गुप्ता, आरएनटीयू के एग्जाम कंट्रोलर अनिल तिवारी और रायसेन के जिला खेल अधिकारी जलज चतुर्वेदी बतौर अतिथि मौजूद रहे। इसमें आरएनटीयू और शिवाजी यूनिवर्सिटी कोल्हापुर के बीच प्रमुख मुकाबले में आरएनटीयू ने 9-3 से जीत हासिल की। आरएनटीयू की ओर से श्रेयस, आमिद, और अक्षय ने 2-2 गोल किए। लव हिमांशु और शैलेंद्र ने 1-1 गोल किए। शिवाजी यूनिवर्सिटी की ओर से तन्मय ने दो और प्रशांत ने 1 गोल किया। वहीं पारुल यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा के बीच खेले गए मुकाबले में यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा ने 3-1 से जीत हासिल की। इसमें यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा की ओर से हरीश और सरजीत ने 1-1 गोल किए। वहीं पारुल यूनिवर्सिटी की ओर से सिद्धार्थ ने 1 गोल किया।

अन्य परिणाम

- ☐ गोविंद गुरु ट्राइबल यूनिवर्सिटी (जीजीटीयू) बांसवाड़ा ने महाराजा सूरजमल ब्रज यूनिवर्सिटी (एमएसबीयू) भरतपुर को 5-0 से हराया।
- ☐ गोवा यूनिवर्सिटी ने महात्मा फुले कृषि विश्वविद्यालय (राहुड़ी) को 5-1 से पराजित किया।
- ☐ महाराज गंगा सिंह यूनिवर्सिटी ने गुजरात यूनिवर्सिटी को 7-2 से धोया।
- ☐ हेमचंद्राचार्य नॉर्थ गुजरात यूनिवर्सिटी ने दि महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी (टीएमएसयू) बड़ौदा को 6-4 से हराया।
- ☐ संत घड़गे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी (एसजीबीएयू) ने यूनिवर्सिटी ऑफ मुम्बई को टाई ब्रेकर में हराया।

दृष्टिहीन बच्चों के लिए वरदान थे लुई ब्रेल

लुई ब्रेल खुद नेत्रहीन थे पर नेत्रहीनों के मसीहा माने जाते हैं। महज तीन साल की उम्र में उन्होंने चोट लगने के कारण अपनी आंखों की रोशनी गंवा दी थी। इसलिए नेत्रहीनों का दर्द बखूबी समझते थे। उन्होंने 6 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा का आविष्कार कर डाला, जिसे नेत्रहीन पढ़ सके।

8 साल तक जीना पड़ा दृष्टिहीन का जीवन

लुई ब्रेल का जन्म 4 जनवरी 1809 में फ्रांस के छोटे से ग्राम कुप्रे में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। इनके पिता साइमन रेले ब्रेल शाही घोड़ों के लिए काठी और जीन बनाने का कार्य किया करते थे, लुई जब तीन साल के थे, तो वह घोड़ों के लिए काठी और जीन बनाने के औजारों से खेल रहे थे। एक दिन काठी के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला चाकू अचानक उधल कर उनकी आंख में जा लगा जिससे काफी चोट लग गई। लापरवाही में इलाज नहीं हुआ जिसके बाद वह 8 वर्ष तक दृष्टिहीन का जीवन व्यतित किया।

ऐसे किया ब्रेल लिपि को विकसित

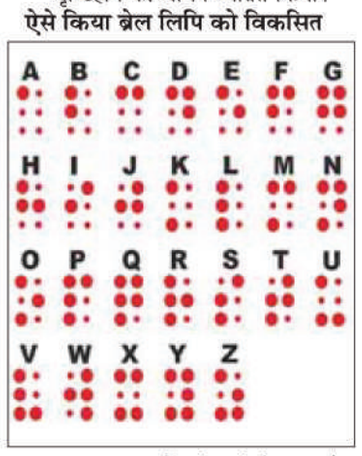

नेत्रहीन होने के बाद लुईस को नेत्रहीन बच्चों वाले स्कूल में दाखिला मिल गया था, जब वे 12 साल के थे, तब उन्हें पता चला कि सेना के लिए एक खास साइफर कोड बना है, जिससे अंधेरे में भी मैसेज पढ़े जा सकते हैं, इसके बाद उन्हें नेत्रहीनों के लिए ब्रेल लिपि विकसित करने का आइडिया आया। 8 सालों की कड़ी मेहनत और तमाम संशोधनों के बाद लुई ब्रेल ने 6 बिंदुओं पर आधारित लिपि को तैयार किया। लेकिन कुछ सालों तक मान्यता नहीं मिली थी।

16 साल में मिली मान्यता, मरने के बाद मिला सम्मान

ब्रेल लिपि को मान्यता उनकी मौत के करीब 16 साल बाद मिली, 6 जनवरी 1552 में 43 साल की उम्र में ही उनका निधन हो गया था और 1868 में ब्रेल को आधिकारिक रूप से मान्यता मिली, उनकी मौत के करीब 100 साल बाद उन्हें सम्मान मिला। उसके बाद उनके गांव में दफनाए गए उनके पार्थिव शरीर के अवषेश पूरे राजकीय सम्मान के साथ बाहर निकाला गया। सेना और स्थानीय प्रशासन ने उन्हें नजरअंदाज करने के लिए माफी मांगी और राष्ट्रीय ध्वज के साथ उनका सम्मान अंतिम संस्कार किया। ●

कठिन ट्रेनिंग के बाद तैयार होता है एक कमांडो

भारतीय सेना दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना है। इसीलिए भारतीय सेना के जवानों की ट्रेनिंग भी बहुत कठिन होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत के सबसे खतरनाक कमांडो कौन है। आइए आज हम आपको बताएंगे कि भारत के सबसे खतरनाक कमांडो कौन है और उनकी ट्रेनिंग कैसे होती है।

एनएसजी कमांडो

भारत के सबसे खतरनाक कमांडो राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के होते है। इन्हें ब्लैक कैट कमांडो के नाम से भी जाना जाता है। ये कमांडो सिर से लेकर पैर तक ब्लैक ड्रेस में होते हैं। एनएसजी कमांडोज की सबसे खास बात यह है कि ये बहुत तेज गति से दुश्मनों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं। ये भी कहा जा सकता है, पलक झपकते ही ये दुश्मनों को मिटाने की क्षमता रखते हैं। भारत में 1984 में एनएसजी का गठन हुआ था।

बहुत कठिन ट्रेनिंग

एनएसजी कमांडोज की ट्रेनिंग बहुत ही कठोर होती है। कमांडोज फोर्स के लिए ट्रेनिंग के पहले कई चरणों में परीक्षा होती है। परीक्षा के बाद अंतिम चयन में जवान ट्रेनिंग के लिए मानेसर पहुंचते हैं, जहां उनकी लंबी ट्रेनिंग होती है। बता दें कि जरूरी नहीं है कि ट्रेनिंग सेंटर पहुंचने के बाद भी कोई सैनिक अंतिम रूप से कमांडो बन ही जाता है। नब्बे दिन की कठोर ट्रेनिंग के अंत में एक हफ्ते की ऐसी ट्रेनिंग होती है, जिसमें 15–20 फीसदी सैनिक नहीं पहुंच पाते हैं।

एनएसजी के ऑपरेशन

देश में जब भी बड़े आतंकी हमले हुए हैं, सभी हमलों में एनएसजी कमांडो फोर्स ने मुहंतोड़ जवाब दिया है। वह 26/11 हमला, अक्षरधाम मंदिर आतंकी हमला इन सभी ऑपरेशन में एनएसजी कमांडोज ने आतंकियों को मुंह तोड़ जवाब दिया था। ये फोर्स गृह मंत्रालय के तहत काम करती है। इन जवानों की खासियत है कि ये वीआईपी सिक्योरिटी, हाईजैकिंग रोकने, बम का पता लगाने जैसे अन्य काम करने में माहिर होते हैं। ●

नूपुर शिखरे और इरा खान की 13 जनवरी को होगी रिसेप्शन पार्टी

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की बेटी इरा खान अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड नूपुर शिखरे के साथ फाइनली शादी के बंधन में बंध चुकी हैं। 3 जनवरी को लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड नूपुर शिखरे से शादी कर ली है।

अब शादी के बाद उन्होंने अपनी पहली तस्वीर शेयर कर ली है। ऐसे में उनके लुक ने सभी का ध्यान खींचा है। उनकी फोटो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस फोटो में उनके पति भी खास लुक में दिखाई दे रहे हैं।

बेटी की शादी में जमकर थिरके आमिर खान

आमिर खान की बेटी की शादी हो और कोई धूम-धड़ाका न हो ऐसा तो हो ही नहीं सकता। मीडिया रिपोर्ट की माने तो एक्टर की बहन निखत ने दिए इंटरव्यू में बताया था कि आइरा की शादी में सभी लोग ढ़ोल और गानों पर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस बीच आमिर का लेटेस्ट वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपनी एक्स वाइफ किरण राव संग वेडिंग में डांस करते दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो, इरा खान और नूपुर शिखरे की शादी के बाद वह बॉलीवुड सितारों को रिसेप्शन पार्टी देंगे। इसका आयोजन 13 जनवरी को मुंबई में होगा। जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान जैसे बड़े सुपरस्टार्स के शामिल होने की भी उम्मीद जताई जा रही है। इसके अलावा एंटरटेनमेंट की दुनिया के कई बड़े सेलिब्रिटीज शिरकत करेंगे।

जिमवियर पहनकर दुलहनिया लेने पहुंचे नुपुर

बता दें कि, सोशल मीडिया पर नूपुर शिखरे का एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वह जिम के कपड़ों में ही बिना शेरवानी पहने दौड़ लगाते हुए नजर आए। इस दौरान उनके साथ तमाम दोस्त भी शामिल नजर आए। नूपुर क्योंकि जिम फ्रीक हैं ऐसे में बारात लेकर जाने का उनका ये अनोखा तरीका फैंस को काफी पसंद आया। खैर अब वह हमेशा के लिए इरा खान के हमसफर बन चुके हैं।

उदयपुर में रीति-रिवाज से शादी करेंगे आयरा-नूपुर

आपको बता दें कि कोर्ट मैरिज के बाद अब आयरा और नूपुर 8 जनवरी को राजस्थान के उदयपुर में रीति-रिवाजों के साथ शादी के बंधन में बंधेंगे। ●

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में भी बना सकते हैं बेहतरीन करियर

वर्तमान समय में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एक चर्चित क्षेत्र है। इसमें आप ग्रेजुएशन पोस्ट ग्रेजुएशन या पीएचडी कर सकते हैं। इसके अलावा आप इसमें डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। एक बार कोर्स खत्म होने के बाद आपके पास सरकारी नौकरी के साथ ही प्राइवेट नौकरियों के ढ़ेरों विकल्प मौजूद होंगे। इसके साथ ही इस क्षेत्र में वेतन भी अन्य के मुकाबले बेहतर मिलता है। आपको बता दें कि एयरोस्पेस इंजीनियरिंग दुनिया भर में इंजीनियरिंग की सबसे प्रतिष्ठित शाखाओं में से एक है। हालांकि, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के बारे में बहुत सारे अनुत्तरित प्रश्न हैं- आइये जानते हैं इसके बारे में-

एयरोस्पेस इंजीनियर

एयरोस्पेस इंजीनियरों को मुख्य रूप से विमान, अंतरिक्ष यान, मिसाइल और उपग्रहों को डिजाइन और परीक्षण करने का काम सौंपा जाता है। इन उत्पादों को डिजाइन करते समय, एयरोस्पेस इंजीनियरों को यह सुनिश्चित करना होगा कि डिजाइन इन उत्पादों में शामिल इंजीनियरिंग सिद्धांतों के अनुरूप हों। एक एयरोस्पेस इंजीनियर का काम महत्वपूर्ण और महत्वपूर्ण है क्योंकि यदि वे इन उत्पादों की स्थायित्व और स्थिरता सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं, तो परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं।

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग एक अच्छा करियर

चूंकि विमानन और अंतरिक्ष उद्योग बड़े पैमाने पर बढ़ रहा है, इसलिए योग्य एयरोस्पेस इंजीनियरों के लिए कई क्षेत्रों में नौकरी के असंख्य अवसर होने की संभावना है। एक एयरोस्पेस इंजीनियर इंजीनियरिंग क्षेत्र में शीर्ष पांच सबसे अधिक वेतन पाने वाले पेशेवरों में से एक है। यदि आप एक चुनौतीपूर्ण करियर में रुचि रखते हैं जो आपको दुनिया भर में ले जा सके तो आपको एयरोस्पेस इंजीनियरिंग चुनने पर विचार करना चाहिए।

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में करियर विकल्प

एयरोस्पेस इंजीनियर - यदि आप एयरोस्पेस इंजीनियर के पदनाम के लिए पात्र हैं, तो संभवत: आप एक विमान या अंतरिक्ष यान की डिजाइनिंग, संयोजन और परीक्षण के लिए समर्पित टीम के साथ काम करेंगे। यदि आप भारत में रक्षा क्षेत्र में काम करना चाहते हैं तो आपको कुछ अतिरिक्त योग्यताओं की आवश्यकता हो सकती है।

फ्लाइट तकनीशियन- यदि आप फ्लाइट तकनीशियन के रूप में काम करना चाहते हैं तो भारत में आपके लिए कई क्षेत्र खुले हैं। आप एक विमान मैकेनिक, एक एयरोस्पेस तकनीशियन और एवियोनिक्स तकनीशियन बनना चुन सकते हैं।

आपका मुख्य कार्य विमानों के ऑपरेटिंग सिस्टम का रखरखाव, निर्माण और नियमित परीक्षण करना होगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सुचारू रूप से काम कर रहे हैं।

रॉकेट वैज्ञानिक - यह सुनने में जितना रोमांचक लग सकता है, रॉकेट वैज्ञानिक बनना कोई आसान काम नहीं है। यह एक उच्च दबाव वाला काम है जहां आपको रॉकेट में उपयोग किए जाने वाले प्रोपेलिंग सिस्टम को डिजाइन करने और परीक्षण करने का काम सौंपा जाएगा। आपको अंतरिक्ष से संबंधित प्रौद्योगिकियों पर नियमित और गहन अनुसंधान भी करना होगा और अंतरिक्ष अभियानों में उपयोग किए जाने वाले हार्डवेयर का विशेषज्ञ रूप से विश्लेषण करना होगा।

अंतरिक्ष यान पर चालक दल के सदस्य- यदि अंतरिक्ष में यात्रा करना आपका आजीवन सपना रहा है तो एयरोस्पेस इंजीनियरिंग आपके लिए सही करियर है। आपको जिस भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है, उससे बचने के लिए अंतरिक्ष यान इंजीनियरिंग के बारे में व्यापक ज्ञान होना चाहिए।

तकनीकी संचारक- यदि आपके पास असाधारण संचार कौशल हैं तो आप तकनीकी संचारक बनकर उनका उपयोग कर सकते हैं। आपका काम जमीनी स्तर पर नियंत्रण कक्ष में अंतरिक्ष यान चालक दल के सदस्यों और विशेषज्ञों के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करना होगा। ●

ज्ञान ज्योति सावित्री बाई फुले कड़े संघर्ष के बाद बनी थी पहली भारतीय महिला शिक्षक

भारत की पहली महिला शिक्षका सावित्री बाई फुले की की 192वीं जयंती मना रहे है। सावित्री बाई फुले सिर्फ भारत की पहली महिला शिक्षक ही नहीं थीं, इसके अलावा वे समाज सुधारक और मराठी कवियत्री भी थीं। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव गोविंदराव फुले के साथ मिलकर महिलाओं के हक और शिक्षा जगत में कई प्रेरणास्त्रोत काम किए। इनका जन्म 3 जनवरी 1831 को एक मराठी दलित परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मी था और इनका विवाह 1840 में ज्योतिराव फुले से हुआ था।

महलिाओं को हक दिलाना ही जीवन का उद्देश्य

सावित्रीबाई फुले को शिक्षा जगत में महिलाओं को लाने और शिक्षित करने के लिए तब के समाज का बहुत ज्यादा विरोध झेलना पड़ा था। उन्होंने अपना जीवन एक मिशन की तरह जिया, जिसका उद्देश्य था महिलाओं के लिए समाज की कुरीतियों को खत्म करना जैसे- विधवा विवाह करवाना, छुआछूत मिटाना, महिलाओं की आजादी और दलित महिलाओं को शिक्षित बनाना। आपको बता दें कि वे एक बहुत अच्छी कवियत्री भी थीं, उनको मराठी की आदिकवियत्री के रूप में भी जाना जाता था।

उद्देश्य को पूरा करने के लिए समाज विरोध झेला

उन्होंने अपने जीवन के उद्देश्य को पूरा करने के लिए समाज का कड़ा विरोध झेला। जब वे स्कूल में पढ़ाने जाती थीं, तो उनके विरोधी उनपर पत्थर मारते, गंदगी, गोबर, कीचड़ फेंकने जैसे घिनौने काम करते। क्योंकि तब के समय में बालिकाओं के लिए स्कूल खोलना बहुत बड़ा पाप समझा जाता था।

5 सितंबर 1848 को खोला था पहला स्कूल

सावित्री बाई ने अपने पति के साथ मिलकर 5 सितंबर 1848 को पुणे में विभिन्न जातियों की नौ छात्राओं के साथ महिलाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। एक साल में सावित्री बाई और महात्मा फुले पांच नए स्कूल खोलने में सफल हुए। इस काम के लिए तत्कालीन सरकार ने इन्हें सम्मानित भी किया।

10 मार्च 1897 को ली अंतिम सांस

जब 1897 में पूरे महाराष्ट्र में प्लेग की बीमारी फैला तो वे प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद करने निकल पड़ी, इस दौरान वे खुद भी प्लेग की शिकार हो गई और 10 मार्च 1897 को उन्होंने अंतिम सांस ली। ●

करियर में सफलता के लिए सही प्लानिंग जरूरी

करियर को सफल बनाने का हर व्यक्ति प्रयास करता है। लेकिन कुछ ही लोग अपने लक्ष्य तक पहुंच पाते हैं। ऐसे लोगों की कमी नहीं होती जो पूरी मेहनत के साथ प्रयास करने के बाद भी सफलता हासिल नहीं कर पाते हैं। इसका सबसे बड़ा कारण होता है करियर की अच्छी तरह से प्लानिंग न करना। ऐसे लोगों से सफलता अक्सर दूर रहती है। दरअसल, जब कोई व्यक्ति करियर शुरू करता है तो खुद की आवश्यकताओं, क्षमता, रुचि के आधार पर जॉब हासिल कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है। किसी भी कंपनी में करियर पथ व्यक्ति के हिसाब से डिजाइन नहीं होता, बल्कि व्यक्ति को पोस्ट के आधार पर कार्य करना पड़ता है। समस्या यहीं से शुरू होती हैं। इसलिए करियर प्लान कर के आगे बढ़ना बहुत जरूरी है।

खुद को जानना बेहद जरूरी

किसी भी करियर की प्लानिंग करने से पहले खुद को अच्छे से जान और समझ लें। इसके बाद आप उन कार्यों की एक लिस्ट बनाएं, जिसे आप अपने करियर में हासिल करना चाहते हैं। साथ ही उन चीजों की भी लिस्ट बनायें, जिन्हें आप अपने करियर मे नहीं करना चाहते। ऐसा करने से आप खुद को बेहतर तरीके से जान सकेंगे। यह करियर में आगे बढ़ने में आपकी मदद करेगा।

करियर ऑप्शन की लिस्ट बनाएं

अपने करियर की शुरुआत करने के लिए पहले एक कुछ ऐसे ऑप्शन की लिस्ट तैयार करें जिसमें आप करियर बनाना चाहते हैं। जैसे- अगर आप इंजीनियर बनना चाहते हैं, तो उसे करियर ऑप्शन में जोड़ सकते हैं। फिर उसके बाद आप खुद उन ऑप्शन में से एक सेलेक्ट कर अपने करियर को बनाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं।

ज्यादा से ज्यादा रिसर्च करें

किसी भी करियर की शुरुआत करने के लिए ज्यादा से ज्यादा रिसर्च करना आवश ?यक है। फिर उससे जुडी सभी चीजों की अच्छे से रिसर्च करें और उसका निष्कर्ष निकालें। रिसर्च करने के बाद सबसे टॉप लिस्ट वाले ऐसे करियर का चुनाव कर उस पर टिके रहें।

एक्शन प्लान जरूर बनाएं

करियर को ग्रोथ देने के लिए एक एक्शन प्लान जरूर बनाएं। प्लान बनाते समय अपनी एजुकेशन, क्षमता व करियर ग्रोथ का अच्छे से आकलन कर लें।

अपनी उम्मीदों को हमेशा ऊंचा रखें लेकिन उसे व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। इस प्लान के आधार पर खुद को डेवलप करते हुए आगे बढ़े। ●

GENERAL KNOWLEDGE

- **क्या** आप जानते हैं कि वर्तमान में भारत में कुल कितने राज्य हैं?

उत्तर- दरअसल, वर्तमान में भारत में कुल 28 राज्य हैं।

- क्या आप बता सकते हैं कि आखिर सूरज का देश के नाम से किस देश को जाना जाता है?

उत्तर- दरअसल, सूरज का देश के नाम से पूरे विश्व में जापान को जाना जाता है।

- बताएं भारत के अलावा किस देश का राष्ट्रीय पशु बाघ है?

उत्तर- बता दें कि भारत के पड़ोसी देश बांग्लादेश का राष्ट्रीय पशु भी बाघ है।

- बताएं आखिर वो कौन सा देश है, जिसे सांपों का देश कहा जाता है?

उत्तर- दरअसल, ब्राजील ही वो देश है, जिसे सांपों का देश कहा जाता है।

-100 रुपये के नोट पर कितनी भाषाएं लिखी होती हैं?

उत्तर- 100 रुपये के नोट पर हैं15 भाषाएं लिखी जाती हैं।

- पासवर्ड को हिंदी में क्या कहते हैं?

उत्तर- पासवर्ड को हिंदी में कूट-शब्द कहते हैं।

- पुलिस को हिंदी में क्या कहते हैं?

उत्तर- पुलिस को हिंदी में राजकीय जन रक्षक कहते हैं।

- दुनिया में सबसे ज्यादा पोस्ट ऑफिस किस देश में हैं।

उत्तर- दुनिया में सबसे ज्यादा पोस्ट ऑफिस भारत में हैं।

- कौनसा रूम ऐसा है जिसमें न खिड़की न दरवाजे।

उत्तर- मशरूम ही ऐसा रूम है जिसमें न खिड़की न दरवाजे।

- किस देश में पहली बार भारतीय पंडुप्पी सिंधुकेसरी' डॉक की गई?

उत्तर- इंडोनेशिया में पहली बार भारतीय पंडुप्पी सिंधुकेसरी' डॉक की गई।

- उस चीज का नाम बताइए जिसे पीटने से लोगों को बहुत मजा आता है।

उत्तर- ढोलक, तबला पीटने में लोगों को बहुत मजा आता है।

- वह कौनसी चीज है जो जितनी ज्यादा बढ़ती है उतनी ही कम होती जाती है।

उत्तर- उम्र जितनी ज्यादा बढ़ती है उतनी ही कम होती जाती है।

-किसी देश में नीली जींस पहनने पर पाबंदी है।

उत्तर- नॉर्थ कोरिया में नीली जींस पहनने पर पाबंदी है। ●

खलीलाबाद ब्लाक के गांव में मनरेगा द्वारा फर्जी मास्टररोल का खेल जारी

मनरेगा के तहत गांव में हो रहे कार्य से पूरे के पूरे मजदूर होते है धरातल से गायब, केंद्र सरकार की मनरेगा योजना में जिम्मेदार लगा रहे करोड़ों की चपत जिम्मेदार अधिकारी मौन

प्रखर संतकबीरनगर। केंद्र सरकार के द्वारा ग्रामीण मजदूरों के लिए चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं में से एक है मनरेगा योजना योजना। इस योजना के तहत ग्रामीण मजदूरों को 100 दिन का काम गांव में ही देना अनिवार्य हैं । मनरेगा योजना केंद्र सरकार की बहुत ही बेहतरीन योजना थी जिससे ग्रामीणों को गांव छोड़कर बाहर न जाना पड़े की रोजी-रोटी गांव में ही चले ऐसी सरकार की सोच थी और इस सोच के तहत मनरेगा योजना का निर्माण कर उसे धरातल पर उतर गया। लेकिन जिम्मेदारों ने इस योजना को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विकास भवन से ले कर विकास खंड कर्यालय तथा ग्राम प्रधान के मिली भगत से गांव में मनरेगा योजना के तहत भ्रष्टाचार अपनी चरम पर है। इस भ्रष्टाचार की चासनी में डुबकी लगाते हुए सरकारी धन के बंदरबाट को बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। जिसके जिम्मेदार जिले के विकास भवन में बैठे अधिकारी तथा विकासखंड के कार्यरत जिम्मेदार अधिकारीयो को मोदी सरकार के कानून का कोई भय नहीं हैं । बस हमे तो सरकारी धन का बंदरबाट करना हैं चाहे किसी की भी सरकार हो।

आपको बता दे की ऐसा ही एक भ्रष्टाचार का मामला संत कबीर नगर जिले के विकासखंड खलीलाबाद के अंतर्गत आने वाले दर्जनों गांव में देखने को मिला। हमेशा मनरेगा में फर्जी मास्टररोल और फर्जी भुगतान के मामले में सेमरियावाऔर साथा ब्लाक का नाम सबसे पहले सामने आता था लेकिन, खलीलाबाद ब्लॉक भी उन ब्लाको की तरह मनरेगा कार्यों में फर्जी मास्टर रोल और उनके भुगतान में सभी ब्लाको को पीछे छोड़ अव्वल नंबर पर अपनी जड़े जमा रहा है।

हम बात करते है महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना यानी की मनरेगा की जिसके तहत सरकार तमाम निचले स्तर के गरीब असहाय मजदूर को मनरेगा में 100 दिन का कार्य देने के लिए कटिबद्ध है। परंतु वही देखा जा रहा है कि, खलीलाबाद मुख्यालय का ब्लॉक यानी खलीलाबाद ब्लाक ऐसे ग्राम प्रधान और सचिव के भ्रष्टाचार का अड्डा बनता जा रहा है जो केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी योजना मनरेगा के नियमों को ताक कर रख कर खुद की खाऊं कमाऊ नीति से उसकी गाइडलाइन के विपरीत फर्जी मस्टरोल का सहारा लेकर फर्जी भुक्तान कराने में लगे है।जानकारों की माने तो शुक्रवार को कड़ाके की ठंड थी और तापमान सुबह के समय से ही शरीर को गला देने वाली थी सभी अपने अपने घरों में दुबक कर बैठे थे । लेकिन गांव में प्रधान मनरेगा के मस्टरोल से खेल रहे थे। और ब्लॉक कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर लाखों का वायरा न्यारा कर रहे थे।

शुक्रवार को इन गांव में फर्जी तरीके से चल रहे थे मास्टरोल। एकमा 4 प्रोजेक्ट 27 मजदूर, बनकटिया 1 प्रोजेक्ट 50 मजदूर, भरपुरवा 3 प्रोजेक्ट 73 मजदूर, डढवा 3 प्रोजेक्ट 100 मजदूर, धमईचा 1 प्रोजेक्ट 23 मजदूर,धमरजा 3 प्रोजेक्ट 28 मजदूर, धरईची 4 प्रोजेक्ट 76 मजदूर, दुलहीपार 2 प्रोजेक्ट 52 मजदूर,गड़सरपार 11प्रोजेक्ट 127 मजदूर, गिरधरपुर 3 प्रोजेक्ट 52 मजदूर, हाड़ापार 3 प्रोजेक्ट 82 मजदूर, इमिलडिहा 3 प्रोजेक्ट 325 मजदूर, कौआथोड़ 1प्रोजेक्ट 49 मजदूर, केरमुआ माफी 3 प्रोजेक्ट 59 मजदूर, उरदाहवा 3 प्रोजेक्ट 104 मजदूर, महुंई 3 प्रोजेक्ट 152 मजदूर,पड़रिया 2 प्रोजेक्ट 33 मजदूर,पकड़ीहा 12 प्रोजेक्ट 143 मजदूर, रानीपार 1 प्रोजेक्ट 29 मजदूर, रसूलाबाद 3 प्रोजेक्ट 74 मजदूर, रऊतापार 1प्रोजेक्ट 117मजदूर, सेमरा 4 प्रोजेक्ट 40 मजदूर, तरैनी 7 प्रोजेक्ट 102मजदूर,उमरी खुर्द 1 प्रोजेक्ट 31 मजदूर, उपरौध 1 प्रोजेक्ट 50 मजदूर, विस्वनाथापुर 1 प्रोजेक्ट 13 मजदूर सिर्फ कागजों में कर रहे है काम । दर्जनों गांव में फर्जी तरीके से मस्टररोल चालू कर ब्लॉक अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर मनरेगा मजदूर अदृश्य होकर जॉब कार्डो में अपनी हाजिरी लगा कर ,प्रतिदिन तकरीबन 6 लाख 25 हजार 830 रुपए केंद्र सरकार को चपत लगा कर भुगतान करने में लगे है। कड़ाके की ठंड में इतने सारे मजदूर काम कर रहे हैं तो इसकी जानकारी लेने के लिए जब ब्लॉक परिसर में पहुंचा तो बीडीओ विनोद मणि त्रिपाठी ने कहा की मामला संज्ञान में है जांच की जाएगी और सारा मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया। जब हमारी टीम ने इन गांव में जाकर कार्यों का सत्यापन किया तो इक्का दुक्का काम को छोड़ कही मजदूर तो मजदूर गांव में कहीं कोई काम होता धरातल पर नहीं दिखा।

मेरा मानना है की अगर जिले के जिम्मेदार अधिकारी इन मामलों को संज्ञान में लेकर इन कार्यों का अस्थलीय निरीक्षण करे तो सरकार के करोड़ों रुपए गमन होने से बच जाएंगे और शायद एक ब्लॉक और सीबीआई के जद में आने से भी बच जाएगा। आपको बता दें कि मनरेगा योजना के तहत चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर कई बार मीडिया में खबरें भी चली, शिकायतें भी हुई, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ ढाक के तीन पात ही साबित हुआ। जानकारों की माने तो इस भ्रष्टाचार में सिर्फ प्रधान ही नहीं ब्लॉक से लेकर विकास भवन तक के सभी जिम्मेदार मिलकर सरकारी धन का बंदर बांट करने में लगे हुए हैं।अब तो ऊपरवाला ही मालिक हैं ।

संक्षिप्त खबरें

स्वर्वेद महामंदिर, नमो घाट व अस्सी घाट पर खुलेगी नई पुलिस चौकी!

प्रखर वाराणसी। सुरक्षा के मद्दे नजर वाराणसी में तीन नई पुलिस पुलिस चौकी बनाने का शासन द्वारा आदेश हुआ है। जिसमें हाल ही के दिनों में प्रधानमंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया विश्व का सबसे बड़ा ज्ञान एवं योग्य केंद्र स्वर्वेद महामंदिर, चर्चित नमो घाट व अस्सी घाट शामिल है। शासन ने पुलिस कमिश्नर की सहमति के बाद अस्सी घाट, नमो घाट और स्वर्वेद मंदिर के पास नई पुलिस चौकी खोलने की मंजूरी दी है। शासन से हरी झंडी मिलने के बाद अब जमीन की तलाश शुरू कर दी गई है और अगर सबकुछ ठीक रहा तो होली के आसपास पर्यटन चौकियां सक्रिय हो जाएंगी। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मुथा अशोक जैन ने बताया कि गंगा के घाटों के दोनों छोर नमो घाट और अस्सी घाट पर सैलानियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्यटक पुलिस चौकी स्थापित की जा रही है। वहीं, दुनिया के सबसे बड़े मेडिटेशन सेंटर स्वर्वेद मंदिर के प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटित होने के बाद यहां सैलानियों की संख्या बढ़ रही है। वाराणसी-गाजीपुर रोड पर स्थित स्वर्वेद मंदिर में पर्यटकों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां भी पर्यटक पुलिस चौकी खोली जाएगी। उन्होंने बताया कि तीनों पर्यटक पुलिस चौकी में पर्याप्त संख्या में पुलिस फोर्स तैनात रहेगी।बताते चलें कि बनारस के प्रमुख स्थलों पर देश दुनिया से आने वाले पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है और विभिन्न चुनौतियों के बीच नई चौकियां मददगार बनेगी। इसमें उप-निरीक्षक, महिला उप निरीक्षक, हेड कांस्टेबल, महिला आरक्षी समेत वाहन और कंप्यूटर समेत अन्य आधुनिक सुविधाएं भी देने की कवायद होगी।

जनवरी का खाद्यान्न नहीं बाटेंगे कोटेदार, करेंगे हड़ताल

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी के नेतृत्व में उपायुक्त खाद्य एवं रसद नीरज गोयल को ज्ञापन दिया गया। जिसमें प्रदेश के राशन डीलर माह जनवरी का खाद्यान्न वितरण नही करेंगे। जब तक प्रदेश के कोटेदारों का कमीशन नही बढाया जाता है। वाराणसी मण्डल के सभी जिला अध्यक्ष मण्डल अध्यक्ष प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे। ज्ञापन सौंपने मे प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी प्रदेश सचिव अजय जायसवाल कमलेश पांडेय ज्ञानधर तिवारी जिला अध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह बृजेश सिंह दया शंकर निगम जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पाण्डेय मण्डल अध्यक्ष बृजेश बिन्द पारस मिश्रा सुशील मिश्र अशोक मौर्य देलबलि सिंह आदि रहे।

22 को प्राण प्रतिष्ठा के लिए प्रभु श्रीराम के ससुराल से निकली अनेकों सामग्रियां

प्रखर डेस्क। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जनकपुर धाम में उत्साह का माहौल है। अपनी बेटी व दामाद के गृह प्रवेश का उपहार लेकर रथ अयोध्या के लिए निकल गया। इसकी तैयारी को लेकर जानकी मंदिर में बैठक भी हुई थी। सामग्रियों में सोने के आभूषण, पादुका, आदि प्रकार को वस्तुएं भेजी गई। अयोध्या तक की यात्रा का नाम जनकपुरधाम अयोध्या भार समर्पण यात्रा रखा गया है। यह नेपाल के जलेश्वर, मलंगवा बलरा, सिमरौन गढ़ व गढ़ी माई होते हुए वीरगंज कुशीनगर, सिद्धार्थ नगर व गोरखपुर होते हुए अयोध्या पहुंचेगी।

मंदिर के परिक्रमा पर कब्जा का प्रयास पुलिस ने लगाया रोक

प्रखर रामनगर वाराणसी। किला रोड पर प्रसिद्ध मां मनसा देवी मंदिर के परिक्रमा का जमीन पर कब्जा करने मामले में मंदिर के पुजारी सुधाकर मिश्रा ने पुलिस से लगाया गुहार।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को रामनगर थाना बुलाकर वार्ता किया तथा मंदिर परिक्रमा पर हो रहे अवैध निर्माण को तत्काल रोक लगा दिया। मंदिर के पुजारी सुधाकर मिश्रा ने बताया कि इस तरह के हरकत विगत कई वर्षों से मंदिर से सटे परिक्रमा के पीछे दुकान लगाकर छुपछुपा कर अक्सर निर्माण करने का प्रयास किया जाता है। जब मैं इसकी सूचना देता हूं तो पुलिस प्रशासन द्वारा रोक लगाई जाती है। मंदिर के

इस परिक्रमा के जमीन पर अरुण कुमार गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता अक्सर कब्जा करने के नियत से निर्माण का प्रयास करते हैं। मंदिर के श्रद्धालुओ ने इस तरह की घटना को कड़ी निंदा किया है ।

पूर्व मंत्री विरेन्द्र सिंह ने किया निःशुल्क कैम्प का शुभारम्भ

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। बड़ी बाजार स्तिथ मौलाना आजाद बुनकर अस्पताल मे आमजन व हर वर्गो के लिए मोतियाबिन्द एवं हार्निया से ग्रसित रोगीयो के लिए निःशुल्क कैम्प का आयोजन हुआ कार्यक्रम मे मुख्य अतिथी के रूप मे पूर्व मंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता वीरेंद्र सिंह ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया ` मौलाना आजाद बुनकर अस्पताल के सचिव जलीस अहमद द्वारा आयोजित कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि तंजीम बाईसी के सरदार इकरामुददीन साहब एवं बुनकर नेता अनवारुल हक अंसारी थे` निःशुल्क कैम्प के उद्घाटन के अवसर पर पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय सपा प्रवक्ता वीरेंद्र सिंह ने कहा कि समस्त सरकारी अस्पताल मे मरीजो के लिए एवं विशेष रूप से बुनकर समाज के लोगो के लिए स्वास्थ्य लाभ योजना की सुविधा उपलब्ध कराने की दंभ भरने वाली भाजपा सरकार मे सरकारी चिकित्सालय मे अभी तक कही भी आमजन के लिए कोई भी प्रकार का निःशुल्क कैम्प का आयोजन शहर के अस्पतालो मे नही हुआ वाराणसी मे अधिकतर सरकारी अस्पतालो मे न्यूरो

फिजिशियन / सर्जन चिकित्सक तैनात नही कर पाई न ही संविदा चिकित्सक तैनात करने पर जोर दिया ऐसे परिस्थिती मे मौलाना आजाद बुनकर अस्पताल मे आमजन के लिए स्वास्थ्य के लिए समर्पण भावना से सजगता के साथ समस्त रोगो के लिए चिकित्सक उपलब्ध रहते है` मानव सेवा सबसे बड़ी सेवा होती है उन्होने अस्पताल के जुड़े सभी पदाधिकारियो को निःशुल्क आयोजन के लिए बधाई देते आश्वस्त किया कि इस अस्पताल मे ह्दय रोगी एवं न्यूरो सर्जन चिकित्सक की आवश्यकता होगी तो मै अपने निजी चिकित्सालय से चिकित्सक बुनकर अस्पताल के लिए सप्ताह मे एक दिन वरिष्ठ डॉक्टर निःशुल्क उपलब्ध रहेगे` अस्पताल मे आमजन के बेहतर चिकित्सा व्यवस्था के लिए आर्थीक मदद की आवश्यकता महसूस होगी तो कदापि पीछे नही रह सकता कैम्प मे शुभारंभ के अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, सरदार इकरामुददीन , पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी, अब्दुल्ला अंसारी,अनवारूल हक अंसारी, हाजी जलीस अहमद, हाजी हारून, जैनुल होदा,वकील अहमद, धर्मेंद्र विश्वकर्मा " रोशन ",बेलाल अंसारी आदि लोग उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व0 कल्याण सिंह की मनाई गई 92वी जयंती, अयोजित हुई विचार गोष्ठी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के दो बार मुख्यमंत्री रहे स्व कल्याण सिंह के आज 92 वीं जयंती अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी आयोजित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित गोष्ठी में विचार व्यक्त करते हुए जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह प्रखर राष्ट्रवादी राजनेता,राम भक्त तथा कुशल प्रशासक के रुप में विभिन्न सामाजिक दायित्वों का निर्वहन किया। उनका कुशल नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी को शिखर पर स्थापित करने में महत्वपूर्ण रहा है। पूर्व जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने कहा कि कल्याण सिंह जी ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने दायित्व निर्वहन और जिम्मेदारियों से कत्तई पिछे नहीं हटे और मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देना उचित समझा। पुर्व जिलाध्यक्ष कृष्णबिहारी राय ने कहा कि एक इंटर कॉलेज के शिक्षक से लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री व राज्यपाल तक के संघर्षों भरे सफर की डगर बेहद कांटों भरी रही है । श्री राममंदिर निर्माण मे उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। युवा नेता अभिनव सिन्हा ने कहा कि कठिन और कठोर परिस्थितियों में विभिन्न सामाजिक पदों का सफल निर्वहन कल्याण सिंह जी की विशेषता रही है। उनका जीवन भारतीय जनता पार्टी और भगवान श्रीराम की सेवा में जीवनपर्यंत समर्पित रहा । इस अवसर पर पूर्व मुख्य मंत्री कल्याण सिंह के चित्र पर माल्यार्पण तथा पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। गोष्ठी को विधानसभा प्रभारी रामनरेश कुशवाहा, विनोद अग्रवाल, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह, लोकसभा विस्तारक रवि

प्रकाश आदि ने सम्बोधित किया। गोष्ठी का संचालन जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के उपाध्यक्ष अच्छेलाल गुप्ता, जिला मंत्री सुरेश बिन्द,,राजन प्रजापति, सोशल मीडिया संयोजक कार्तिक गुप्ता, गोपाल राय, सुनील गुप्ता, नितिश दूबे, नन्दू कुशवाहा, मुरली कुशवाहा, अजय कुशवाहा, रंजीत कुमार, आदि लोगो ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

चोरी की 15 बाइक, 2 तमंचा व 3कारतूस संग 3 अन्तर्जनपदीय चोर तथा 2 नाबालिग गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर के आदेश के क्रम में अपराध नियत्रंण हेतु एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में गुरुवार को थाना कोतवाली पुलिस व स्वाट, सर्विलांस की संयुक्त टीम द्वारा रजांगज श्मशान घाट के पास से मुखबिर की सूचना पर 03 नफर अन्तर्जनपदीय शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया गया तथा 02 नफ? बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, मौके से चोरी की 05 अदद मोटर साइकिल व 02 अदद देशी तमंचा .315 बोर व 03 अदद जिंदा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया तथा कड़ाई से पूछताछ करने पर छुपाकर रखी हुयी चोरी की अन्य 10 अदद मोटर साइकिल ग्राम बीकापुर थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर के भिन्न भिन्न स्थान से बरामद कराया गया । जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर धारा 34,411,413, 414,419,420 भादवि,(2) मु0अ0सं0 11/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है । गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण में विशाल यादव पुत्र हरिकेश यादव

ग्राम शंकरपुर थाना दुल्हपुर जनपद गाजीपुर उम्र 20 वर्ष, राजेश यादव पुत्र महेन्द्र यादव ग्राम शंकरपुर थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर उम्र 20 वर्ष, आलोक कुमार राजभर पुत्र सुरेश राजभर निवासी ओड़राई थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर उम्र 19 वर्ष। पूछताछ से बाल अपचारीगण द्वारा बताया गया कि हम दोनों लोग विशाल यादव व राजेश यादव के कहने पर आलोक के साथ मिलकर भिन्न भिन्न स्थानो से वाहन की चोरी करते हैं और चोरी करने के बाद वाहन को छुपाकर रखा जाता है और जब विशाल यादव, राजेश यादव को वाहन के खरीददार मिल जाते है तो हम लोग मिलकर वाहन को राजेश यादव, विशाल यादव के माध्यम से बेच देते है और बदले मे हम सभी को पैसा मिल जाता है । हम लोग वाहन बेचने के लिए बिहार जाते समय श्मशान घाट रजागंज रेलवे ब्रिज के नीचे मौजूद थे कि पकड़ लिए गये । अभियुक्तगण द्वारा पूछताछ मे यह भी बताया गया कि हम लोगों के पास से मिला हुआ 04 मोटर साइकिल व एक स्कूटी चोरी की है तथा उनके द्वारा पूछताछ करने पर छुपाकर ग्राम बीकापुर मे रखी हुई अन्य 10 मोटर साइकिल भी बरामद कराया गया । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मय पुलिस टीम जनपद गाजीपुर, स्वाट/सर्विलांस प्रभारी मय टीम जनपद गाजीपुर शामिल रहे।

सरकार डिजिटल पत्रकारिता, ई पेपर और ई पोर्टल को मान्यता दे नियमानुसार पंजीकृत करें : राकेश वशिष्ठ

प्रखर संतकबीरनगर। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रदेश संयोजक राकेश वशिष्ठ ने जानकारी साझा करते हुए बताया कि अभी हाल ही मैं केंद्र सरकार द्वारा पारित नए प्रैस एक्ट में जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया की मांग पर छोटे समाचार पत्र पत्रिकाओं के पंजीयन की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है जिसमे ऑनलाइन माध्यम से पंजीयन संभव है। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ० अनुराग सक्सेना के निदेर्शानुसार जेसीआई राजस्थान के प्रदेश संयोजक राकेश वशिष्ठ ने आज प्रधान मंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी , माननीय अनुराग ठाकुर, केबिनेट मंत्री सूचना और प्रसारण मंत्रालय और डॉ०पी. के. मिश्रा, मुख्य सचिव प्रधानमन्त्री कार्यालय के नाम प्रेषित पत्र मैं पत्रकारों के हितार्थ जेसीआई के बैनर तले मुख्य मांगों के तहत कि अभी डिजिटल युग है और हम सभी डिजिटल पत्रकारिता को नकार नहीं सकते अतः जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने पत्र में अपनी मुख्य मांग के तहत सभी डिजिटल मीडिया पत्रकारिता जिसमे ई पेपर , ई पोर्टल इत्यादि को नियमानुसार मान्यता दे पंजीकृत किया जाए साथ ही डिजिटल मीडिया के उभरते हुए सभी छोटे

बड़े प्रिंट,इलेक्ट्रिक और डिजिटल मीडिया ई पेपर, ई पोर्टल के पत्रकारों को नियमानुसार पंजीकृत कर मान्यता देने की मांग की है। जेसीआई ने पत्र में मांग की है कि सभी राज्यों में सरकारी विज्ञापनों के प्रकाशन में बड़े समाचार पत्रों के साथ छोटे समाचार पत्रों को भी सरकारी विज्ञापनों के प्रकाशन द्वारा आर्थिक संबल प्रदान किया जाए ताकि वित्तीय सहायता मिले। जेसीआई ने पत्र मैं मांग की है कि आए दिन फील्ड में पत्रकारों के साथ मार पीट और गाली गलोच की घटनाएं आम हो गई है अतः जेसीआई ने सम्पूर्ण भारत में सभी छोटे बड़े प्रिंट,इलेक्ट्रिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकार भाई बहनों की सुरक्षा हेतु पत्रकार सुरक्षा क ा न ू न प्रमुखता से लागू करने की मांग की है। जेसीआई ने पत्र मैं मांग की है कि पत्रकारों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जेसीआई ने सम्पूर्ण भारत में सभी जिला मुख्यालयों पर सभी छोटे बड़े प्रिंट,इलेक्ट्रिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों के प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत कार्ड बनवाने की मांग की है। जेसीआई ने पत्र मैं मांग की है कि आर्थिक रूप से कमजोर पत्रकार साथियों को सस्ती दर पर आवासीय प्लाट उपलब्ध करवाने साथ ही सभी छोटे बड़े प्रिंट,इलेक्ट्रिक और डिजिटल मीडिया के पत्रकारों के बच्चो को उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति प्रदान कर अध्ययन में सहयोग हेतु जेसीआई ने मांग की है। जेसीआई ने पत्र मैं मांग की है कि फील्ड में कवरेज करते वक्त किसी भी आकस्मिक दुर्घटना में किसी पत्रकार साथी की मृत्यु हो जाने पर पूरे परिवार के समक्ष रोजी रोटी का संकट पैदा हो जाता है अतः जेसीआई ने मांग की है कि ऐसी स्थिति में पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी सहायता प्रदान कर आर्थिक संबल दिया जाए। राकेश वशिष्ठ ने बताया कि जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया सभी छोटे बड़े प्रिंट,इलेक्ट्रिक और डिजिटल मीडिया, ई पेपर , ई पोर्टल इत्यादि के पत्रकारों का एक राष्ट्रव्यापी संगठन है जो कि पत्रकारों के हितों की रक्षार्थ लगातार संघर्ष करता आ रहा है और राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ० अनुराग सक्सेना के निदेर्शानुसार संगठन की शाखाएं समस्त भारत मैं कार्यरत है और संगठन लगातार जमीनी स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है ।

समाजसेवी संजय सिंह ने अपने जन्मदिन पर ली दिव्यांगों तथा असहायो की सुधि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दिव्यांग जनों व असहायों के लिए हर समय सेवाभाव से समर्पित रहने वाले समाजसेवी संजय सिंह द्वारा अपने जन्मदिन पर जहाँ दिव्यांग जनों को व वृद्ध विधवाओं के लिए जहाँ अंग वस्त्र देकर समानित किया वही सभी लोगों को भोजन कराया गया। संजय सिंह ने कहा कि हर वर्ष अपने जन्मदिन के अवसर पर ठंड को देखते हुए गरीब कमजोर दिव्यांग वृद्धजनों भोजन की व्यवस्था व अंग वस्त्र वितरण किया जाता है । यह कार्य बिना किसी सहयोग या संस्थान के माध्यम से न कर निजी खर्च से करने के बाद मन को खुशी मिलती है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से शैलेन्द्र सिंह, शवेताभ, बिनोद, मोहित, प्राशु शम्मी सिंह, मिंटू, अमित, राजन, धर्मेन्द्र, संतोष, मनोज बिहारी, शिवराम आदि मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं